▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 6 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 28-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 दिया कुमारी ने मारवाड़ में विकास कार्यों का किया शिलान्यास

6 परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

7 अब मुझे परवाह नहीं लोग क्या सोचते हैं : सानवी तलवार

फर्स्ट टेक

इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया की ओर से दागे ड्रोन मार गिराए : सऊदी अरब

काहिरा/एपी। सऊदी अरब ने कहा है कि उसने ईरान समर्थित इराकी मिलिशिया द्वारा दागे गए ड्रोन मार गिराये हैं। सऊदी रक्षा मंत्रालय की ओर से सोमवार को सोशल मीडिया पर यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान ने कई हफ्तों से जारी तनाव और हमलों के बाद सप्ताहांत में अपने हमले रोक दिए थे। बयान में कहा गया है कि इन ड्रोन का निशाना पूर्वी सऊदी अरब स्थित पेट्रोलियम प्रतिष्ठान और राजधानी रियाद थे।

बेंगलूरु में व्यक्ति ने मेट्रो ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या की

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में सोमवार को हुस्कुर रोड मेट्रो स्टेशन पर चलती ट्रेन के सामने एक व्यक्ति ने कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की वजह से येलो लाइन पर सेवाएं संक्षिप्त समय के लिए बाधित रहीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, मृतक की पहचान करने की कोशिश कर रही है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। बेंगलूरु मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शाम करीब साढ़े पांच बजे घटी।

अबतक चार करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने सोमवार को कहा कि आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अबतक चार करोड़ आयकर रिटर्न भरे गये हैं। विभाग ने करदाताओं से 31 जुलाई की अंतिम तिथि से पहले अपना रिटर्न दाखिल करने की अपील की है। विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर करदाताओं से 31 जुलाई से पहले आयकर रिटर्न एक (सहज) और दो भरने को कहा है। आईटीआर-1 (सहज) एक सरल फॉर्म है, जिसे छोटे और मध्यम आय वर्ग के बड़ी संख्या में करदाताओं के लिए तैयार किया गया है।

बालों में तिरंगा, आंखों में आंसू : मीराबाई ने भारत को दी स्वर्णिम सौगात

ग्लास्गो/भाषा। मीराबाई चानू का राष्ट्रमंडल खेलों में जीत गया स्वर्ण पदक देशभक्ति से ओतप्रोत था। तीन बार की चैंपियन मीराबाई ने रविवार को जब भारोत्तोलन खेलों में मंच पर कदम रखा, तो उन्होंने तिरंगे रिबन से बनी तितली के आकार की हेयर क्लिप पहनी हुई थी। यह देश की प्रति उनका सम्मान था, जिसे गौरवान्वित करने के लिए वह प्रतिबद्ध थी। महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के बाद मीराबाई ने पीटीआई से कहा, ''मैं भारत के लिए कुछ करना चाहती थी, इसलिए मैंने कल रात भारतीय ध्वज के रंगों वाले रिबन से ये तितली की तरह के क्लिप बनाए।''

28-07-2026 सूर्यास्त 6:48 बजे | 29-07-2026 सूर्योदय 6:06 बजे

BSE	NSE
76,835.78 (+776.01)	23,995.95 (+228.50)

सोना	चांदी
15,022 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	234,102 रु. प्रति किलो

छात्रों पर पुलिस कार्रवाई मुद्दे पर हंगामा

चार बार के स्थगन के बाद रास दिन भर के लिए स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हम सदन में चर्चा के लिए तैयार हैं लेकिन हम चाहते हैं कि गृह मंत्री सदन में आएं और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर बयान दें।

नई दिल्ली/भाषा। नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा की बैठक सोमवार को चार बार के स्थगन के बाद शाम पांच बज कर पंद्रह मिनट पर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे की वजह से उच्च सदन में शून्यकाल, प्रश्नकाल और अन्य विधायी कामकाज नहीं हो पाया। चार बार के स्थगन के बाद शाम सवा पांच बजे बैठक शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों ने नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री के बयान की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि ''विपक्षी सदस्यों ने कार्य मंत्रणा समिति में राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक 2026 पर चर्चा करने पर सहमति जताई थी। लेकिन अब इस पर आप चर्चा नहीं कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा ''नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सदन में मौजूद हैं। आप वरिष्ठ सदस्य हैं। आप अपनी पार्टी के सदस्यों को समझाइये जो हंगामा कर रहे हैं। बाहर जा कर आप कहते हैं कि हमें सदन में बोलने नहीं दिया जाता। लेकिन यहां आपसे हम अनुरोध कर रहे हैं फिर भी आप चर्चा में हिस्सा नहीं ले रहे।'' खरगे ने कहा ''हम सदन में चर्चा के लिए तैयार हैं लेकिन हम चाहते हैं कि गृह मंत्री सदन में आएं और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर बयान दें।'' हंगामे की वजह से उपसभापति हरिवंश ने बैठक को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ और नीट प्रश्नपत्र लीक से जुड़े मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण पिछले सप्ताह एक भी दिन सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाए। राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक 2026 उच्च सदन में पिछले सप्ताह शुक्रवार को पेश किया गया था, जिसके प्रावधानों के तहत राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन के दौरान किसी भी तरह का व्यवधान या उसका अपमान आपराधिक कृत्य माना जायेगा और इसके लिए तीन वर्ष तक की सजा हो सकती है। इस विधेयक के तहत 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान किया गया है। आज इस विधेयक पर सदन में चर्चा होनी थी।

गृह मंत्री को सदन में बयान देना होगा और प्रधानमंत्री को माफी मांगनी पड़ेगी : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बयान देना होगा तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को माफी मांगनी पड़ेगी। खरगे ने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शन में शामिल युवाओं को धमकियां दी जा रही हैं और पश्चिम बंगाल तथा बिहार में कई युवाओं को जबरन हिरासत में लिया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार की कथित धमकियों से आज का युवा डरने वाला नहीं है। उन्होंने दावा किया कि विरोध-प्रदर्शन में भाग लेने वाले युवाओं को धमकियां मिल रही हैं और उनके सोशल मीडिया खातों तक की जांच-पड़ताल की जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पहले युवाओं पर लाठी-डंडों और पैलेट गन से हमला किया गया और अब विरोध-प्रदर्शन समाप्त होने के बाद उनके सोशल मीडिया खातों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह एक डरे हुए ''तानाशाह की निशानी'' है।

खरगे ने कहा कि देश के युवा सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि शिक्षा क्षेत्र और पेपर लीक रोकने के लिए गठित डॉ. राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों का 766 दिन बाद भी क्या हुआ।

भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ने रजत पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्लास्गो/भाषा। एशियाई चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव ने राष्ट्रमंडल खेलों की भारोत्तोलन स्पर्धा में महिलाओं के 53 किलो वर्ग में रिकार्ड की झड़ी के बीच सोमवार को रजत पदक जीता। छत्तीसगढ के भोंडिया गांव की ज्ञानेश्वरी ने स्नैच में 88 किलो और क्लीन एंड जर्क में 111 किलो समेत कुल 199 किलो वजन उठाया। नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला ने राष्ट्रमंडल और राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड तोड़कर 206 किलो वजन उठाते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 93 किलो और क्लीन एंड जर्क में 113 किलो वजन उठाया। कनाडा की रेबेका ग्राउल ने 178 किलो वजन उठाकर कांस्य पदक जीता।

आंकड़े हालांकि पूरी कहानी नहीं बताते। यहां दो युवा भारोत्तोलकों के बीच एक जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला, जिसमें कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं था।

लगभग हर सफल कोशिश के बाद अधिकारियों को नया खेल रिकॉर्ड दर्ज करने के लिए तेजी दिखानी पड़ी, क्योंकि ज्ञानेश्वरी और ओनोमे के बीच कड़ी टक्कर चल रही थी और इस मुकाबले ने खचाखच भरे स्टेडियम में दर्शकों को अपनी सीटों से उठने पर मजबूर कर दिया। स्नैच में ज्ञानेश्वरी के तीनों लिफ्ट साफ सुथरे थे। क्लीन एंड जर्क में शानदार मुकाबला रहा। भारतीय खिलाड़ी ने 107 किलो वजन उठाकर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया लेकिन ओनोमे ने तुरंत ही 110 किलो वजन उठाकर यह रिकॉर्ड तोड़ दिया। ज्ञानेश्वरी भी हार मानने को तैयार नहीं थी जिन्होंने 111 किलो वजन उठाकर फिर रिकॉर्ड अपने नाम किया।

लोकसभा में आज शुरू हो सकती है लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

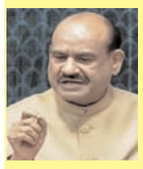

हम समय देने के लिए तैयार हैं तथा सदस्य चाहें तो और भी अधिक समय बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, आज सदन में इस विधेयक पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी और कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

नई दिल्ली/भाषा। नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे को लेकर लोकसभा में जारी गतिरोध दूर करने पर सहमति बन गई है और मंगलवार से सदन में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) विधेयक, 2026 पर चर्चा शुरू हो सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा, ''लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर सभी प्रमुख राजनीतिक दल मंगलवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) विधेयक, 2026 पर चर्चा के लिए सहमत हो गए हैं।'' प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक करने या अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों को कम से कम पांच साल और अधिकतम 10 साल तक के कारावास तथा 50 लाख रुपये तक के जुर्माने की सजा हो सकती है।

लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 में संशोधन से संबंधित इस विधेयक में संगठित अपराधों के लिए कम से कम सात साल के कारावास और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रस्ताव है। बिरला ने सोमवार को सदन की कार्यवाही के दौरान सभी दलों से इस विधेयक पर चर्चा शुरू कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''यह हमारे देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य, उनकी मेहनत और उनकी आकांक्षाओं से जुड़ा अत्यधिक महत्वपूर्ण विधेयक है। यह विधेयक प्रश्नपत्र लीक जैसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, दोषियों के विरुद्ध कठोर दंड प्रावधान कर करोड़ों युवाओं के हितों की रक्षा की दिशा में अहम कदम है।'' उन्होंने सत्तापक्ष और विपक्ष को तीन घंटे का समय देते हुए कहा कि ''शाम को पांच बजे तक सरकार और सभी दल मिलकर सहमति बनाएं, ताकि पांच बजे इस विधेयक पर चर्चा शुरू हो सके।'' बिरला ने कहा कि वह इस विधेयक पर चर्चा के लिए छह घंटे का समय देने के लिए तैयार हैं तथा सदस्य चाहें तो और भी अधिक समय बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, आज सदन में इस विधेयक पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी और कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

स्वागत

राष्ट्रमंडल खेल के कांस्य पदक विजेता पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार का राष्ट्रमंडल खेलों से लौटने के बाद सोमवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुँचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आरक्षण पर बोलो

किसको आरक्षण मिले यहां,
हो कर तटस्थ खुल कर बोलो।
कब तक आरक्षण मिले कहां,
अब न्याय तुला पर सच तोलो।
आरक्षण कितना मिले किसे,
वंचित के मूल्यों को मोलो।
आरक्षण की परिभाषा पर,
सब नेता अपने मुंह खोलो।।

31st Autumn Winter SIGA FAIR 2026
FRESH FASHION FESTIVAL
28TH, 29TH & 30TH JULY 2026
SOUTH INDIA GARMENTS ASSOCIATION
MANUFACTURER & WHOLESALERS
B 2 B EXPO
APPAREL RETAILERS
WHOLESALER DISTRIBUTOR & AGENTS
INAUGURATION TODAY

DATE: 28-29-30 JULY 2026
TIME 10:00 AM TO 8:00 PM
VENUE: PRINCESS SHRINE
GATE # 9 , PALACE GROUNDS BANGALORE

Men, Women & Children - Wedding Wear, Ethnic Wear, Casual Formal Wear, Denims,
Western Wears, Lounge Wear, Winter Wear, Accessories, Accounting Software & Security System

150+ BRANDS ON DISPLAY
JOIN US AT THE MOST ANTICIPATED EVENT IN THE FASHION INDUSTRY

ANURAG SINGHLA, PRESIDENT
GOVIND MUNDRA, CHAIRMAN OMPRAKASH HEDA, CO-ORDINATOR
SIGA : 96326 48525
www.sigafair.com
info.sigafair@gmail.com

Anora MUMBAI | DIYA DESIGN STUDIO MUMBAI | aanchi AHMEDABAD | KESSI SURAT | KARISSA SURAT | Rangoon SURAT | HRK SURAT
WOODEE SURAT | Shavli MUMBAI | HATHOM SURAT | COLLARS MUMBAI | J.M. Hunari KOLKATA | CROS TAG BANGALORE | Sayli MUMBAI
Model LUDHIANA | NEXX By Ciara MUMBAI | Gurmaya AHMEDABAD | पोल्का टॉट्स AHMEDABAD | JINAAYA SURAT | i Meera | Journey SURAT
AVORA WOMEN ETHNIC DELHI | Salt & Sugar AHMEDABAD | Naughty Boy AHMEDABAD | Surprise | OZZY PARIS LUDHIANA | TEES CO. AHMEDABAD | PENCIL LONDON LUDHIANA
Sia AHMEDABAD | PRANAY WEDDING COLLECTION MUMBAI | PINNACLE BANGALORE | Cardulis BANGALORE | doodledry BANGALORE | TRYST BANGALORE | PRO RIDERS LUDHIANA
POLICE KOLKATA | Exclusive from Jaipur JAIPUR | HABITUDE BANGALORE | DAMUDI CLOTHING BANGALORE | PHILIP KOTLER LUDHIANA | BABY'S Pride TIRUPUR | OVER THE TOP MUMBAI
ETHNOIR SURAT | ORTHODOX MUMBAI | RICH SIGNAL AHMEDABAD | VANZAARA SURAT | Ciara SHIRTS MUMBAI | BEE STONE TIPTUR | kn AHMEDABAD
Sarisha MUMBAI | BornFree | SCNC BANGALORE | TIME LUDHIANA | inspace STORE | MAX MANNEQUINS | S.A. ENTERPRISES
KESERVE JEANS TIRUPUR | GAZZAL MUMBAI | AZZURRO STUDIO LINE MUMBAI | Gsoft | RETAILGUARD | Sure Solutions | AQSENSE
TEENPEOPLE shirtology BANGALORE | LEGANO MUMBAI | AUTHOR TIRUPUR | Annex JAIPUR | WESTLEY DELHI | park view BANGALORE | MK MISHKAAVYA MUMBAI
Linen Leaf MUMBAI | WAVE FOTOGRAPHIE | MONTCLAIR LUDHIANA | Quanto CHENNAI | SSG | TECHNOSPORT TIRUPUR | VOGARTINO MUMBAI
Cp COTTON PLUS BANGALORE | LOGIC ERP | SVNSTS TIRUPUR | HAWK MUMBAI | VENFIELD | LE BON TON LUDHIANA | DOLLER FASHION AGRA

राजस्थान परिषद का 'समथिंग नायाब' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजस्थान परिषद द्वारा रविवार को आयोजित 'समथिंग नायाब' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिषद के अध्यक्ष संजय बैद ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को समाज से जोड़ते हैं।सांस्कृतिक समिति चेयरमैन राकेश छाजेड़ ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण देश की प्रसिद्ध कवयित्री एवं स्टोरीटेलर नायाब मिधा रहीं, जिन्होंने अपनी भावपूर्ण कविताओं, जीवन से जुड़े अनुभवों एवं प्रेरणादायी कथाओं के माध्यम से श्रोताओं को हँसाया, भावुक किया और आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया। नायाब के साथ अर्जनदेव सिंह ने गानों की जुगलबंदी से दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजित लक्की ड्रा परिषद के परामर्शक हाथीमल बैद एवं प्रदीप हीरावत ने किया। इस मौके पर कार्यक्रम के प्रमुख सहयोगियों एवं प्रायोजकों का सम्मान किया गया।कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम चेयरमैन दिनेश मरोठी ने किया। मंत्री रजत बैद ने धन्यवाद दिया।

तमिलनाडु में विफा के मदुरई चैप्टर की कार्यकारिणी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरई। विप्र फाउंडेशन मदुरई चैप्टर एवं जोन 17 –ए तमिलनाडु की बैठक रामदेव बाबा मंदिर में आयोजित की गई। चैप्टर के अध्यक्ष विजय सिंह राजपुरोहित ने अपने स्वागत भाषण में क्षेत्रीय महा मंत्री (दक्षिण) भगवान व्यास एवं जोन प्रेसिडेंट श्रवण बोहरा का एवं अन्य सदस्यों का स्वागत किया। श्रवण बोहरा ने संगठन का महत्व बताते हुए कहा कि समाज की एकजुटता में ही हम सबका लाभ है इसलिए सब मिल कर संगठन को मज़बूत करें्। भगवान व्यास ने विप्र फाउंडेशन द्वारा अभी तक के किये गए कार्यों एवं नीतियों की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी। बैठक में सर्वसम्मिति से नए मंत्रिमंडल का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष दिनेश सिंह राजपुरोहित,उपाध्यक्षद्वय सुरेश राजपुरोहित (साकरना) व अशोक रावल, महामंत्री निर्मल रावल, सहमंत्री राजेश व्यास एवं दिनेश बारवा,कोषाध्यक्ष राधेश्याम पारीक, सह कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा को बनाया गया।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राहुल शर्मा, द्वारका प्रसाद पारीक, प्रहलाद सिंह राजपुरोहित, महेंद्र सिंह राजपुरोहित, मरण सिंह राजपुरोहित, बाबूलाल रावल, शैलेश रावल को शामिल किया गया है। युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष परबत सिंह राजपुरोहित,महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष निकिता राजपुरोहित को बनाया गया है ।निर्मल शर्मा के धन्यवाद के पश्चात बैठक का समापन हुआ्।

भाजपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष ने की प्रधानमंत्री से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने सोमवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने के बाद कहा कि उन्होंने राज्य के विकास एवं कानून–व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

ढिल्लों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने 35 मिनट की आमने–सामने की बैठक में उनकी बात धैर्यपूर्वक सुनी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने फोन पर 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''हमने राज्य में कानून–व्यवस्था, मादक पदार्थ की समस्या और आपराधिक गिरोह जैसे सभी मुद्दों पर चर्चा की।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने मुझसे कहा कि उन्हें जब भी बुलाया जाएगा, वह पंजाब जाएंगे।'' ढिल्लों ने जून में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का पदभार संभाला था।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का मौका मिला। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने लिखा, इस मौके पर हमने पंजाब के समग्र विकास, राज्य के लोगों के कल्याण, पंजाब की रीढ़ समझे जाने वाले किसानों और मजदूरों की भलाई, उद्योगों के विस्तार, पंजाब को फिर से एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र बनाने के लिए नया निवेश आकर्षित करने, युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने और राज्य के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने पर विस्तार से सार्थक चर्चा की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री का दूरदर्शी नेतृत्व और पंजाब के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता वाकई प्रेरणादायक है तथा इससे राज्य की तरक्की को एक नई दिशा मिलेगी।

मानवीय जीवन मूल्यों का जतन करना धर्म साधना का पहला सोपान है : आचार्यश्री विमलसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद्। स्थानीय कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति द्वारा आयोजित विमल–वर्षावास में सोमवार को जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि बड़े–बड़े तप–त्याग और आराधनाएं न हो सकें तो कोई हर्ज नहीं, मनपूर्वक छोटे तप–त्याग और नीति–नियमों से जीवन में साधना की भूमिका तैयार करनी चाहिए्। आध्यात्मिक साधना के अनेक आयाम हैं्।

जीवन को उन्नत करने और उसे पार उतारने के लिए भगवान महावीरस्वामी ने असंख्य योग बताए हैं्। मानवीय जीवन मूल्यों का जतन करना धर्म–अध्यात्म की साधना का पहला सोपान है। संतश्री ने कहा कि चातुर्मास की सफलता के लिए धन महत्वपूर्ण कारक तत्व नहीं है। मन की भावना, जीवन की शुद्धता, विचारों की सात्विकता और आचरण की पवित्रता, वर्षावास की सफलता के मूलभूत सूत्र हैं्। जैनाचार यही सिखाता है। इसी से जीवन हल्का और निरापद बनेगा।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हिंसक विचारों और कार्यों से बचते हुए, आहार–वाणी, व्यवहार, व्यापार, सबको सुधारना–परिमार्जित करना साधु–संतों के सत्संग का तात्पर्य है। सिर्फ सुनते रहने या पूजा–पाठ करते रहने से आचरण स्वतः नहीं बदलेगा। उसे बदलने के लिये दृढ़ संकल्प पूर्वक छोटे–छोटे टास्क संपन्न करते रहना चाहिए्।

सफलता प्राप्ति के लिए 'आंतरिक सॉफ्टवेयर' को अपग्रेड करना चाहिए : मुनिश्री वीरसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

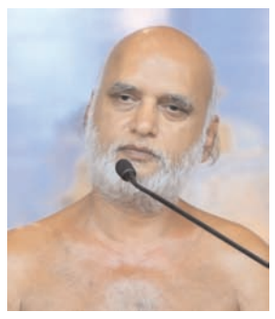

बेंगलूरु। शहर के ज्ञानोदय परिसर, तुबरहल्ली में 'साइकोलॉजी ऑफ ट्रॉसफार्मेशन' विषय पर मुनिश्री वीरसागर जी ने आधुनिक जीवन की मानसिक चुनौतियों, भावनात्मक संतुलन और आत्मपरिवर्तन पर गहन एवं प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए्। उन्होंने कहा कि आज का व्यक्ति नई–नई तकनीकों, प्रोग्रामिंग भाषाओं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक उपकरणों को सीखने में वर्षों लगा देता है, किन्तु अपने मन, विचारों और भावनाओं को समझने तथा उन्हें विकसित करने के लिए समय नहीं निकालता। उन्होंने कहा कि जीवन में वास्तविक परिवर्तन बाहरी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि अपने आंतरिक सॉफ्टवेयर को सुधारने से प्रारम्भ होता है। उन्होंने कहा कि आज का समाज आर्थिक प्रगति के बावजूद मानसिक तनाव, असुरक्षा, अवसाद और भावनात्मक असंतुलन जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। ऊँचा वेतन, प्रतिष्ठित पद और भौतिक सुविधाएँ व्यक्ति को क्षणिक सुख तो दे सकती हैं, किन्तु स्थायी शांति केवल संतुलित और स्वस्थ मन से ही प्राप्त होती है। उनके अनुसार मानसिक स्वास्थ्य ही सफल जीवन, उत्तम स्वास्थ्य और मधुर संबंधों की वास्तविक आधारशिला है।

मुनिश्री ने कहा कि अधिकांश लोग जीवनभर तुलना, प्रतिस्पर्धा और बाहरी उपलब्धियों के घेरे में ही घूमते रहते हैं्। वास्तविक उन्नति तब प्रारम्भ होती है जब व्यक्ति बाहर से भीतर की यात्रा करता है, स्वयं को समझता है, अपनी मान्यताओं को सशक्त बनाता है तथा अपनी भावनाओं पर नियंत्रण विकसित करता है। जैसे किसी कंप्यूटर का प्रदर्शन उसके सॉफ्टवेयर पर निर्भर करता है, उसी प्रकार मनुष्य के जीवन की गुणवत्ता उसके विचारों और मानसिक संरचना पर निर्भर करती है। यदि मन शांत, अनुशासित और सकारात्मक हो, तो सफलता, स्वास्थ्य और संतोष स्वतः जीवन का हिस्सा बन जाते हैं्।

अंकित शर्मा हत्याकांड : अदालत ने ताहिर हुसैन, चार अन्य की सजा पर फैसला 31 जुलाई तक सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान हुई आसूचना ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और चार अन्य लोगों को दी जाने वाली सजा पर अपना फैसला 31 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रख लिया। पांच दोषियों को दी जाने वाली सजा की अवधि पर दलीलें सुनने के बाद, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने अपना फैसला शुक्रवार तक के लिए सुरक्षित रख लिया।

सुनवाई के दौरान, दिल्ली पुलिस ने अदालत से सभी पांचों दोषियों को मृत्युदंड दिए जाने का अनुरोध किया और कहा कि शर्मा पर लगातार हमला करते हुए वे जानवरों जैसी हरकतों पर उतर आए थे। विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडे ने अदालत में कहा कि दोषियों ने शर्मा का अपहरण किया, बेरहमी से मारपीट की और उनकी हत्या कर दी।

उन्होंने कहा कि शर्मा की मौत के बाद भी वे उन पर वार करते रहे। उन्होंने कहा, ''अंकित शर्मा का अपहरण किया गया और बेरहमी से पीटकर उनकी हत्या कर दी गई।

गुजरात ने पोत निर्माण नीति जारी की, 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश पर नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात सरकार ने सोमवार को अपनी पोत निर्माण नीति जारी की। इस नीति का उद्देश्य वित्तीय प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचे के विकास और कौशल विकास के जरिये राज्य को भारत का प्रमुख समुद्री विनिर्माण केंद्र बनाना है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार की जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'गुजरात पोत निर्माण एवं मरम्मत नीति– 2026' जारी की। इस नीति का उद्देश्य दो एकीकृत विशाल जहाज निर्माण पार्क बनाना, राज्य की जहाज निर्माण क्षमता को 50 लाख डेडवेट टनेज (डीडब्ल्यूटी) से ज़्यादा करना और 27,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित करना है। डीडब्ल्यूटी वह अधिकतम वजन है जिसे कोई जहाज सुरक्षित रूप से ले जा सकता है।

इस नीति का उद्देश्य पांच लाख से अधिक लोगों का कौशल विकास करना और क्षमता–निर्माण की प्रशिक्षण देना भी है। नीति जारी करने के अवसर पटेल ने कहा, यह नीति गुजरात में दुनिया भर में मुकाबला करने लायक पोत निर्माण की पारिस्थितिकी तैयार करेगी और 'विकसित गुजरात 2047' और आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को पूरा करने में राज्य की भूमिका को मजबूत करेगी।

राज्य सरकार के मुताबिक, यह नीति केंद्र की 'पोत निर्माण वित्तीय सहायता योजना 2025' और 'समुद्री दृष्टिकोण–2047' के अनुरूप है। बयान के मुताबिक, इस नीति का उद्देश्य समुद्री उपकरणों के निर्माण, अनुसंधान एवं विकास, स्टार्टअप, सहायक उद्योगों और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देकर भविष्य के लिए तैयार पोत निर्माण पारिस्थितिकी विकसित करना है। इस नीति के तहत, आधुनिक जहाज गोदी अवसंरचना वाले दो एकीकृत विशाल पोत निर्माण पार्क विकसित किए जाएंगे। इनके साथ ही समुद्री उपकरण विनिर्माण संकुल, परीक्षण सुविधाएं, लॉजिस्टिक समर्थन, अनुसंधान एवं विकास केंद्र और कौशल विकास संस्थान भी बनाए जाएंगे। बयान के मुताबिक, केंद्र सरकार ने पोरबंदर जिले के कुछाडी में एक विशाल पूर्ण रूप से नये सिरे से पोत निर्माण संकुल की मंजूरी दी है। गुजरात समुद्री बोर्ड इस परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर रहा है, जिससे इसके लागू होने का रास्ता साफ होगा। इस संकुल में दो से तीन विश्वस्तरीय जहाज गोदी और उनसे जुड़े उद्योगों का नेटवर्क होगा, और उम्मीद है कि इस परियोजना से करीब 23,700 करोड़ रुपये का निजी निवेश आएगा।

उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ केंद्रीय राज्य मंत्री गोपी की याचिका पर शीर्ष अदालत का नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय सोमवार को केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी की उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया, जिसमें उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने निर्वाचन से जुड़े केरल उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती दी है।

उच्च न्यायालय ने त्रिशूर सीट से उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने से इनकार कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने त्रिशूर के रहने वाले एवं 'ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन' के नेता बिनॉय ए.एस. को नोटिस जारी किया है, जिन्होंने गोपी के निर्वाचन को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

केरल से भाजपा के एकमात्र सांसद गोपी ने उच्च न्यायालय के एक अप्रैल के फ़ैसले को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने कहा था कि बिनॉय की चुनाव याचिका विचार किये जाने योग्य है तथा पर्यटन और पेट्रोलियम राज्य मंत्री को मुकदमे का सामना करने के लिए कहा था। त्रिशूर के सांसद ने चुनाव याचिका को यह कहते हुए चुनौती दी कि यह विचार किये जाने योग्य नहीं है।

हालांकि, उच्च न्यायालय ने गोपी की याचिका को इस आधार पर खारिज कर दिया कि चुनाव याचिका में लगाए गए आरोपों पर सुनवाई की जरूरत थी।

बिनॉय ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि गोपी, उनके चुनाव एजेंट और उनके सहयोगियों ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 के तहत भ्रष्ट तरीके अपनाए।

भगवान जगन्नाथ की पुरी मंदिर में वापसी पर ओडिशा में मनाया गया 'रसगुल्ला दिवस'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। वार्षिक रथ यात्रा के समापन पर भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के पुरी स्थित 12वीं सदी के मंदिर में लौटने के उपलक्ष्य में सोमवार को ओडिशा में 'रसगुल्ला दिवस' मनाया गया। 'नीलाद्रि बीजे' के अवसर पर 'रसगुल्ला दिवस' मनाया जाता है।

नीलाद्रि बीजे वह अनुष्ठान है, जिसके तहत तीनों देवी–देवताओं की मंदिर में वापसी होती है। इसी दिन भगवान जगन्नाथ को विधिवत रसगुल्ले का भोग लगाया जाता है। मंदिर की परंपरा में इस रसगुल्ले को 'खीरा मोहन' कहा जाता है। वर्ष में केवल नीलाद्रि बीजे के दिन ही भगवान जगन्नाथ को रसगुल्ले का भोग लगाया जाता है। हालांकि, मंदिर में यह परंपरा सदियों पुरानी है, लेकिन राज्य में 'रसगुल्ला दिवस' 2015 से मनाया जा रहा है। ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पावन नीलाद्रि बीजे और रसगुल्ला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। महाप्रभु की असीम कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आए।'' मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस दिन को उड़िया अस्मिता, संस्कृति और भक्ति की अनूठी अभिव्यक्ति बताया।

उन्होंने कहा, नीलाद्रि बीजे और रसगुल्ला दिवस के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान श्रीजगन्नाथ का नीलाद्रि बीजे केवल आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक नहीं, बल्कि उड़िया अस्मिता, संस्कृति और भक्ति की अद्वितीय अभिव्यक्ति भी है। पूर्व मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कहा कि परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ रसगुल्ला भेंट कर महालक्ष्मी को मनाते हैं। रथ यात्रा में अपने साथ न ले जाने के कारण माता लक्ष्मी भगवान से नाराज रहती हैं। पुरी मंदिर में, रसगुल्ले की उत्पत्ति से जुड़े ऐतिहासिक साक्ष्य जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शोधकर्ता असित मोहंती ने कहा कि प्रारंभिक समय में मंदिर में इस मिष्ठान को खीरा मोहन' कहा जाता था और यही आज के समय का रसगुल्ला है।

संघर्षशील अभिनेता के मरणोपरांत अंगदान से चार लोगों को मिली नई जिंदगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। अभिनय की दुनिया में पहचान बनाने का सपना देखने वाले इंदौर के गौरव दवे (25) भले ही अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सके, लेकिन उनके मरणोपरांत अंगदान ने सोमवार को चार लोगों को नई जिंदगी की राह दे दी।

अधिकारियों ने बताया कि दवे का हृदय हवाई मार्ग से अहमदाबाद भेजकर वहां के एक रोगी में प्रतिरोपित किया गया, जबकि उनके यकृत और दो गुर्दे इंदौर के मरीजों में लगाये गये। उन्होंने बताया कि अभिनय के साथ ही कास्टिंग' (अभिनेता चयन) के क्षेत्र में भी काम कर रहे दवे 'ब्रेन हेमरेज' के बाद 13 जुलाई से एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती थे।

अधिकारियों के मुताबिक चिकित्सकों ने जांच के बाद रविवार (26 जुलाई) को उन्हें दिमागी रूप से मृत (ब्रेन डेड) घोषित कर दिया जिसके बाद उनके परिजन अंगदान के लिए सहमत हो गए। अधिकारियों ने बताया कि दवे का हृदय एक नियमित उड़ान से अहमदाबाद भेजा गया जहां उसे अस्पताल में भर्ती 28 वर्षीय एक पुरुष के शरीर में प्रतिरोपित किया गया। उन्होंने बताया कि दवे का यकृत इंदौर के 42 वर्षीय पुरुष में लगाया गया, जबकि दो गुर्दे शहर की 22 वर्षीय महिला और 52 वर्षीय महिला को प्रतिरोपित किए गए। दवे के दोस्त नरेंद्र राठौर ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि दवे मनोरंजन उद्योग में अभिनेता के रूप में पहचान बनाने का सपना देखते थे और एक तेलुगु फिल्म एवं एक वेब सीरीज में काम भी कर चुके थे। राठौर के अनुसार उपचार के दौरान जब दवे की हालत में कुछ सुधार हुआ था, तब उन्होंने अपने एक अन्य मित्र से कहा था कि मरने के बाद उनके अंग दान कर दिए जाएं ताकि उनके अंगों से जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिल सके।

राठौर ने बताया कि बाद में दवे की हालत फिर बिगड़ गई और चिकित्सकों की कोशिशों के बाद भी उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। उन्होंने कहा, ''इकलौते बेटे को खोने का दुख दवे के परिवार के लिए असहनीय है, लेकिन उनकी अंतिम इच्छा ने उन्हें उनके मरणोपरांत अंगदान का कठिन फैसला लेने का साहस दिया।'' अधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार की ओर से अंगदाताओं को दिए जाने वाले 'गार्ड ऑफ ऑनर' के तहत दवे को अंतिम विदाई के समय राजकीय सम्मान भी दिया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

I, **SHOBHA** is Mother of No. **14672566X, NK, Santosh Patil,** R/o. Vill/P.O.:Borgal, Tal:Hukkeri, Dist. Belagavi, State: Karnataka-591236, 621 EME BN, C/o.99 APO, have changed my **Name and DOB** from **SHOBHA, 01/07/1965** to **SHOBHA BHARAMAGOUDA PATIL, 01/01/1967** vide affidavit sworn before B.A Gane Advocate & Notary at Kagwad on 02/07/2026

मैत्रेयी कॉलेज ने 'सुगम' लॉन्च किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी कॉलेज ने 'प्रोजेक्ट सुगम' लॉन्च किया है। यह भारत का पहला ऐसा इनडोर नेविगेशन सिस्टम है, जिसे विद्यार्थियों ने बनाया है और सभी के लिए सुलभ है। इस पहल के ज़रिए, विद्यार्थियों ने सामाजिक बदलाव के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है, जिससे देखने, सुनने और चलने–फिरने में अक्षम लोग बिना किसी सहारे के, सम्मानपूर्वक आ–जा सकेंगे। इस कार्यक्रम में सुगम के संस्थापक डॉ. मैथ्यू वर्गीज़ भी शामिल हुए। सुगम के साथ, दिव्यांगजन भी कैंपस की ज़िंदगी में पूरी तरह से हिस्सा ले सकेंगे।

इस कार्यक्रम में मैत्रेयी कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. हरितिमा चोपड़ा, प्रोजेक्ट लीड प्रो. स्मृति सिंह, नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत और दिल्ली विवि के रजिस्ट्रार भी मौजूद थे। उन्होंने इस पहल और इसमें स्वदेशी तकनीक के इस्तेमाल की तारीफ़ की। प्रो. स्मृति सिंह ने पूरी सुगम टीम का आभार जताया।

बेंगलूरु में व्यक्ति ने मेट्रो ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या की, येलो लाइन पर सेवाएं प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरू में सोमवार को हुस्कुर रोड मेट्रो स्टेशन पर चलती ट्रेन के सामने एक व्यक्ति ने कथित तौर पर कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की वजह से येलो लाइन पर सेवाएं संक्षिप्त समय के लिए बाधित रहीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, मृतक की पहचान करने की कोशिश कर रही है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। बेंगलूरु मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शाम करीब पांच बजकर 50 मिनट पर घटी।

बेंगलूरु मेट्रो रेल निगम (बीएमआरसीएल) ने एक बयान में कहा, ''ड्यूटी पर मौजूद स्टेशन नियंत्रक और सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल तय सुरक्षा प्रक्रियाओं का अनुपालन किया और एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई।'' बयान के मुताबिक, ''इसकी वजह से येलो लाइन पर अस्थायी रूप से केवल इलेक्ट्रॉनिक सिटी और बोम्मासंद्रा मेट्रो स्टेशनों के बीच ट्रेन सेवाएं संचालित की गईं। येलो लाइन आरवी रोड (राष्ट्रीय विद्यालय रोड) से बोम्मासंद्रा तक जाती है।'' बीएमआरसील ने यात्रियों से इस बात का ध्यान रखने और उसी के अनुसार योजना बनाने का अनुरोध किया है। बयान में कहा गया, ''यथाशीघ्र सेवाएं सामान्य करने की कोशिशें की जा रही हैं। असुविधा के लिए खेद है।''

कर्नाटक में पशु चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती में अनियमितताओं की सीबीआई जांच की जाए : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पशु चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) की आंतरिक जांच को रद्द करने की मांग करते हुए सोमवार को कहा कि मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या कर्नाटक उच्च न्यायालय के किसी मौजूदा न्यायाधीश से कराई जानी चाहिए। केपीएससी द्वारा चयन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की आंतरिक जांच पूरी होने तक पशु चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती की अंतिम चयन सूची पर रोक लगाए जाने के एक दिन बाद यह मांग आई।

आरोपों की जांच के लिए केपीएससी ने आयोग के एक वरिष्ठ सदस्य की अध्यक्षता में एक आंतरिक जांच उपसमिति गठित की है। केपीएससी के अनुसार, यह निर्णय रविवार को हुई आपात बैठक में लिया गया। इससे पहले 24 जुलाई को विधान सौधा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी और 25 जुलाई को पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को केपीएससी कार्यालय जाकर आयोग के अध्यक्ष को पत्र सौंपा। इसमें मामले की जांच सीबीआई या कर्नाटक उच्च न्यायालय के किसी मौजूदा न्यायाधीश से कराने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल में विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी तथा वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री सुरेश कुमार शामिल थे।

भाजपा ने अपने पत्र में कहा कि केपीएससी द्वारा आयोजित भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों से 80 लाख रुपये तक की रिश्वत वसूले जाने के आरोप हैं। इसने कहा कि इन आरोपों से नौकरी के अभ्यर्थियों और आम लोगों में चिंता पैदा हुई है। विपक्षी नेताओं ने मीडिया में आई खबरों का हवाला देते हुए कहा कि इस मामले में सैकड़ों अभ्यर्थियों को नोटिस जारी किए गए हैं तथा करोड़ों रुपये के अवैध वित्तीय लेनदेन की आशंका जताई जा रही है।

पत्र में कहा गया कि अधिकारियों, बिचौलियों और प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता के आरोपों ने भर्ती प्रक्रिया और आयोग की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। हाल ही में पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग में पशु चिकित्सका अधिकारियों के 400 पदों के लिए केपीएससी की भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए पशु चिकित्सकों के एक समूह ने विधान सौध थाने में शिकायत दर्ज कराई और चयन प्रक्रिया की जांच की मांग की। भर्ती परीक्षा केपीएससी द्वारा जनवरी में आयोजित की गई थी। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कई अभ्यर्थियों से बिचौलियों ने संपर्क कर नियुक्ति दिलाने के बदले 70 लाख से 80 लाख रुपये तक की मांग की। उनका दावा है कि उन्होंने बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग पुलिस को सौंपी है।

गैराज में आग लगने से 25 से अधिक कारें जलकर खाक

बेंगलूरु। बेंगलूरु के एक गैराज में सोमवार तड़के भीषण आग लगने से 25 से अधिक कारें जलकर खाक हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 5.30 बजे थानिसंद्रा स्थित एक कार गैराज में हुई। उसने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के कारण कई महंगी कार सहित 25 से अधिक वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए। आग गैराज में तेजी से फैल गई और वहां मौजूद वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। पुलिस ने कहा कि संभवत: शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी।

इसी सप्ताह मंत्रिमंडल विस्तार को देंगे अंतिम रूप : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को घोषणा की कि वह अपनी कैबिनेट के बहुप्रतीक्षित विस्तार को इसी सप्ताह अंतिम रूप देंगे। मुख्यमंत्री नई दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं जहां वह संसद के मानसून सत्र के दौरान उठाए जाने वाले राज्य से जुड़े प्रमुख मुद्दों और सूखे की स्थिति पर चर्चा करने के लिए कर्नाटक के सांसदों के साथ बैठक करेंगे। शिवकुमार राज्य सरकार के लंबित मामलों को लेकर वरिष्ठ वकीलों और केंद्रीय मंत्रियों से भी मिलेंगे।

उनका मंगलवार को कांग्रेस आलाकमान के नेताओं से मुलाकात का कार्यक्रम है जिस दौरान कैबिनेट विस्तार के विवरण को अंतिम रूप दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी के हरिप्रसाद भी आलाकमान के साथ होने वाली इस बैठक में शामिल हो सकते हैं।

शिवकुमार ने कहा, मैं अपने सभी सांसदों से मुलाकात करूंगा। उन्हें राज्य में सूखे और पानी की स्थिति से अवगत कराने की जरूरत है। साथ ही, हमें कावेरी, महादयी और कृष्णा नदियों, मेकेदातु परियोजना तथा कई लंबित परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों पर भी उन्हें जानकारी देनी होगी। दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह कर्नाटक के सांसदों को उन मुद्दों पर जानकारी देंगे जिन्हें संसद में उठाया जाना है।

उन्होंने कहा, कैबिनेट विस्तार को लेकर आपको (मीडिया) बहुत जल्दी है। मुझे लगता है कि इस सप्ताह के भीतर, मैं इस पूरी प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दूंगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली से लौटने के बाद वह बेंगलूरु में सर्वदलीय बैठक भी बुलाएंगे, ताकि कुछ प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की जा सके और नेताओं को जानकारी दी जा सके। उन्होंने कहा, वापस आने के बाद, मैं विपक्ष के नेताओं और पूर्व मुख्यमंत्रियों से मुलाकात करूंगा। कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी है...।

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अगुवाई में राज्य के सांसदों की दिल्ली में हुई बैठक

केंद्र सरकार के सामने 13 पेंडिंग मुद्दों पर प्रेजेंटेशन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने केंद्रीय मंत्रियों और राज्य के चझी के साथ कुल 13 मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट को छोड़कर, केंद्र सरकार से पेंडिंग बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए मंज़ूरी और ग्रांट शामिल हैं। सोमवार को नई दिल्ली में कर्नाटक भवन में मुख्यमंत्री शिवकुमार की अध्यक्षता में सभी राज्य के सांसदों के साथ एक बैठक की। जिसमें कई योजनाओं को मंज़ूरी देने के लिए केंद्र सरकार पर सांसदों को दबाव डालने का निवेदन किया। बैठक में ग्राम पंचायतों को ग्रांट, सागरमाला 2.0 प्रोजेक्ट, कुद्रेमुख नेशनल पार्क से परिवारों का रिलोकेशन, डिफेंस डिपार्टमेंट की ज़मीन राज्य सरकार को ट्रांसफर करना, बेंगलूरु रिंग रोड, कोलार रेलवे कोच फैक्ट्री, बेंगलूरु सबअर्बन रेल प्रोजेक्ट, बेंगलूरु-मुंबई हाई स्पीड रेल लाइन, एचएएल एयरपोर्ट का कमर्शियल इस्तेमाल फिर से शुरू करना, रायचूर में आईआईएमएस बनाना, नारियल और सुपारी की फसलों का पेस्ट कंट्रोल और पुलिस मॉडर्नाइजेशन समेत अलग-अलग राज्य बिलों को मंज़ूरी देने पर ध्यान देने का निवेदन किया गया।

बेंगलूरु एसटीआरआर (सैटेलाइट टाउन रिंग रोड) प्रोजेक्ट

बेंगलूरु के बाहरी क्षेत्रों को जोड़नेके लिए चारों ओर 288 किलोमीटर लम्बी रिंग रोड हेतु बेंगलूरु और उसके आसपास के सैटेलाइट शहर जैसे होसकोटे, देवनहल्ली, डोड्डाबल्लापुरा, दाबसपेट, मागड़ी, रामनगर, राज्य सरकार इसके लिए ज़मीन खरीदने के खर्च का 30 प्रतिशत उठा रही है। यह प्रोजेक्ट कनकपुरा, आनेकल और होसुर को जोड़ता है। राज्य सरकार मिनरल रॉयल्टी और जीएसटी छूट के लिए सहमत हो गई है। बाकी 9,613 करोड़ के काम को अभी केंद्रीय कैबिनेट की मंज़ूरी मिलनी बाकी है।

बेंगलूरु सबअर्बन रेल प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 148 किलोमीटर है। प्रोजेक्ट की रिवाइज़्ड कॉस्ट 23,343 करोड़ है, और अब तक कॉस्ट 3,342.77 करोड़ हो चुकी है। 153 कोच खरीदने के लिए केंद्रीय कैबिनेट की मंज़ूरी चाहिए, जिसके लिए केंद्रीय कैबिनेट और रेलवे डिपार्टमेंट की मंज़ूरी चाहिए।

वर्ष 2014 में, केंद्रीय कैबिनेट ने राज्य सरकार और रेलवे विभाग को प्रोजेक्ट कॉस्ट 50:50 के हिसाब से उठाने की मंज़ूरी दी थी, और हालांकि राज्य सरकार ने ज़मीन दी है, लेकिन प्रोजेक्ट अभी तक लागू नहीं हुआ है। एचएएल एयरपोर्ट का इस्तेमाल कमर्शियल मकसद के लिए किया जाएगा नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इस पर कोई आखिरी फ़ैसला नहीं लिया है फिर से शुरू।

रायचूर में आईआईएमएस की स्थापना के लिए 21 अगस्त 2023 कोएक प्रपोज़ल जमा किया गया था। 11 जून 2026 को मुख्यमंत्री ने फिर से प्रधानमंत्री को लिखा। इससे हेल्थ सर्विसेज़ और रीजनल डेवलपमेंट में मदद मिलेगी।

मंज़ूरी मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर के पास यह निवेदन लंबित है। रक्षा विभाग की ज़मीन राज्य को ट्रांसफर करने के बारे में राज्य सरकार की ओर से 15 दिसम्बर 2025 को एक प्रपोज़ल जमा किया गया है, और बेंगलूरु में 40 एकड़ और बेलगाम में 668 एकड़ ज़मीन के ट्रांसफर के लिए रक्षा मंत्रालय से मंज़ूरी की ज़रूरत है।

राज्य ने हाई-स्पीड रूट में बेंगलूरु-मैसूर और बेंगलूरु-मुंबई रूट को शामिल करने की रिक्वेस्ट की है, जिससे कित्तूर कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक में इंडस्ट्रियल ग्रोथ, तेज़ ट्रैफिक और रीजनल बैलेंस में मदद मिलेगी। इस प्रोजेक्ट को संबंधित सेंट्रल मिनिस्ट्री से मंज़ूरी मिलनी चाहिए। ऐसी अनेक योजनाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने राज्य के सांसदों ने केन्द्र पर दबाव डालने का निवेदन किया है।

तमिलनाडु में बिना वैध पंजीकरण संचालित एम-सैंड इकाइयों पर सरकार की सख्ती, जल्द होगी कार्रवाई

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद खनिज संसाधन क्षेत्र में अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। अचानक किए जा रहे निरीक्षणों में खनन और मैन्युफैक्चर्ड सैंड (एम-सैंड) उत्पादन से जुड़े नियमों में बड़े पैमाने पर उल्लंघन सामने आए हैं। राज्य के खान एवं खनिज मंत्री प्रभु कई जिलों में बिना पूर्व सूचना के निरीक्षण कर रहे हैं और उन्होंने अधिकारियों को खनन नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने वाले खदानों को सील करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने अवैध खनन गतिविधियों को रोकने में विफल रहने या उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के संदेह में खनिज संसाधन विभाग के अधिकारियों का बड़े पैमाने पर तबादला भी किया है।

सरकार की सख्त कार्रवाई के कारण शुरुआत में एम-सैंड की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली क्योंकि उत्पादकों ने काले ग्रेनाइट की खदानों पर सख्ती के चलते उत्पादन प्रभावित होने का हवाला दिया था। हालांकि, खान एवं खनिज मंत्री ने उद्योग संगठनों के साथ बैठक कर उन्हें स्थिति का अनुचित लाभ उठाने के खिलाफ चेतावनी दी, जिसके बाद प्रस्तावित मूल्य वृद्धि वापस ले ली गई।

इसी दौरान सरकार ने एम-सैंड निर्माण इकाइयों द्वारा किए गए कथित नियम उल्लंघनों की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए हैं। भूविज्ञान एवं खनन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, एम-सैंड कठोर काले पत्थरों को क्रश और प्रोसेस करके तैयार किया जाता है और इसे पर्यावरणीय कारणों से सीमित किए जा रहे नदी की प्राकृतिक रेत के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

तमिलनाडु सरकार लंबे समय से निर्माण कार्यों में प्राकृतिक नदी की रेत के टिकाऊ विकल्प के रूप में एम-सैंड के उपयोग की सिफारिश करती रही है। अधिकारी ने बताया कि सभी एम-सैंड निर्माण इकाइयों के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। इन पंजीकरणों का गुणवत्ता और संचालन संबंधी मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए आमतौर पर हर तीन से पांच वर्ष में नवीनीकरण कराया जाना आवश्यक होता है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: 25/2026, दिनांक: 16.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए केवल आईआरईपीएस माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते है: निविदा समापन होने का समय: 10:30 बजे

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा तारीख
01	56261085ए	2वी 300 एएच सामर्थ्य वाला कमी रखरखाव सेकंडरी लेड ऐसिड सेल्स	2400 नं.	04.08.2026
02	75261026ए	उन्नयनीकृत वीनाईल कोटेड अपहोल्स्ट्री फैब्रिक (लेदर जैसे) कोड.	25061 मीटर	10.08.2026
03	47255017बी	एचवी ट्यूरेट के साथ 25 केवी एसी मेमू ट्रैक्शनफॉर्मर 1050 केवीए का आपूर्ती	02 नं.	10.08.2026
04	29261756	यात्रियों का लोकोमोटीव के लिए एलॉस्टोमेर पैड के साथ ड्रॉप्ट गियर	28 नं.	10.08.2026
05	29265025	मोटर के साथ माउंटिंग एक्सेसरीयों के साथ मैन कंप्रेसर	07 नं.	14.08.2026
06	60266073	16 इन 1, 60 केजी वेल्डबल सीएमएस क्रॉसिंग बीजी का निर्माण और आपूर्ती	53 सेट	14.08.2026
07	33261483	स्फीरोएलॉस्टिक रबर बीयरिंग (साईलेंट ब्लॉक)	328 नं.	31.08.2026

1) सूचना सं. 21/2026 का **निविदा नं. 60268992** में, निविदा खोलने का अंतिम तारीख 13.07.2026 से **27.07.2027** को बदला किया गया है।

2) सूचना सं. 22/2026 का **निविदा नं. 42261152** में, निविदा खोलने का अंतिम तारीख 15.07.2026 से **30.07.2027** को बदला किया गया है।

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक / हुबली

PUB/318/AAD/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए **RailOne** ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

केनरा बैंक का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ मामूली बढ़कर 4,856 करोड़ रुपये पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक का वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ मामूली दो प्रतिशत बढ़कर 4,856 करोड़ रुपये हो गया। इस बीच, बैंक ने कहा है कि उसका विदेश में रहने वाले भारतीयों से 1.3 अरब डॉलर की जमा जुटाने का लक्ष्य है। बेंगलूरु स्थित इस बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 4,752 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। केनरा बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 39,684 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 38,063 करोड़ रुपये थी।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 32,957 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की जून तिमाही में 31,003 करोड़ रुपये थी। बैंक की परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

जून तिमाही के अंत में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर कुल अग्रिम का 1.57 प्रतिशत रह गईं, जो एक साल पहले 2.69 प्रतिशत थीं। इसी तरह, समीक्षाधीन तिमाही में शुद्ध एनपीए यानी फंसा कर्ज घटकर 0.36 प्रतिशत रह गया, जबकि 2025-26 की समान तिमाही में यह 0.63 प्रतिशत था।

बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ब्रजेश कुमार सिंह ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 10,000 करोड़ रुपये को पार कर गई और इसमें 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि बैंक की शुद्ध ब्याज आय बढ़कर 10,215 करोड़ रुपये हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 9,009 करोड़ रुपये थी।

बैंक ने आय संबंधी परिणामों के बाद हुई बैठक में बताया कि उसकी योजना विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा के माध्यम से करीब 1.3 अरब डॉलर और विदेशी मुद्रा उधारी के जरिये एक अरब डॉलर जुटाने की है। सिंह ने कहा कि बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) और विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) के माध्यम से बैंक 50-50 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना बना रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक बैंक एफसीएनआर (बी) जमा माध्यम से 77.5 करोड़ डॉलर जुटा चुका है।

स्कूली छात्रा की गर्दन पर चाकू से हमला, आरोपी ने की आत्महत्या

चिदंबरम/भाषा। शादी का प्रस्ताव कई बार ठुकराए जाने पर एक युवक ने 16 वर्षीय स्कूली छात्रा की गर्दन पर कथित तौर पर चाकू से हमला कर दिया। छात्रा की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 27 वर्षीय आरोपी अयप्पन ने सोमवार को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार को कडलूर जिले के कीझामूंगलाडी गांव स्थित पीड़िता के घर पर हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अयप्पन कक्षा 11 में पढ़ने वाली छात्रा के घर अक्सर बिजली मरम्मत का काम करने आता था।

अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक के बेंगलूरु स्थित फ्रीडम पार्क में सोमवार को गौ संरक्षण और सम्मान को बढ़ावा देने वाले अभियान के दौरान गायों की पूजा करते 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के सदस्य।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094182, 4541 फैक्स : 080-28094180

संशोधन - I दिनांक 27.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदारों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं	एनआईटी सं :	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-45/2026-2027 दिनांक : 07.07.2026	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-46/2026-2027 दिनांक : 07.07.2026
1	कार्य का नाम :	एससीसी परिसर, इसट्रैक, पीन्या, बेंगलूरु में आईएनसी और आईएसएसडीसी लैब्स के नवीनीकरण के लिए इलेक्ट्रिकल कार्य।	एससीसी परिसर, इसट्रैक, बेंगलूरु में स्टोर्स सेक्शन का नवीनीकरण (इलेक्ट्रिकल कार्य)
2	निविदा का अनुमानित मूल्य	₹ 22.81 लाख	₹ 10.14 लाख
3	निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा
4	कार्य समापन अवधि	तीन (03) माह	चार (04) माह
5	निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	08.07.2026 को 16.00 बजे से 22.07.2026 को 16.00 बजे तक जिसे 05.08.2026 को 16.00 तक बढ़ाया गया है ।	
6	बोली स्पष्टीकरण	09.07.2026 को 11.00 बजे से 23.07.2026 को 16.00 बजे तक जिसे 06.08.2026 को 16.00 तक बढ़ाया गया है ।	
7	बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	24.07.2026 को 16.00 बजे तक जिसे 07.08.2026 को 16.00 तक बढ़ाया गया है ।	
8	निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	25.07.2026 को 16.00 बजे तक जिसे 08.08.2026 को 16.00 तक बढ़ाया गया है ।	
9	निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	27.07.2026 को 11.00 बजे तक जिसे 10.08.2026 को 11.00 तक बढ़ाया गया है ।	
10	अग्रदाय रकम जमा(ईएमडी)	रु. 45,620.00	रु. 20,280.00

2. पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट www.isro.gov.in पर टेंडर इनवाइटिंग का विस्तृत द्विभाषी (हिंदी - अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और https://www.tenderwizard.com/ISRO पर टेंडर फ्री में देख सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

एकीकृत जल प्रबंधन से राजस्थान में जल सुरक्षा और कृषि समृद्धि को मिलेगी नई दिशा : श्रीनिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में जल संसाधनों के दीर्घकालिक, टिकाऊ एवं अनुकूलतम उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सचिवालय में सोमवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राजस्थान नदी बेसिन एंड वाटर रिसोर्सेज प्लानिंग अथॉरिटी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य सचिव ने प्रदेश में जल सुरक्षा, पेयजल आपूर्ति तथा सिंचाई क्षमता के विस्तार हेतु सभी 11 संबंधित विभागों को अंतर-विभागीय समन्वय के साथ मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक का मुख्य एजेंडा प्रदेश के प्रत्येक नदी बेसिन में जल की उपलब्धता, वर्तमान परियोजनाओं एवं उनमें आ रही चुनौतियों की समीक्षा तथा 'विकसित राजस्थान2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों के तालमेल से एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन के अनुरूप योजना बनाना और जल क्षेत्रों को प्रदूषण से बचाना रहा।

मुख्य सचिव ने जल संसाधन सहित प्राधिकरण से सम्बंधित सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य में वर्तमान में उपलब्ध सीमित जल के समुचित एवं अधिकतम उपयोग को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों के तालमेल से प्रत्येक बेसिन की समग्र परियोजना तैयार की जाए। परियोजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन, जल वितरण एवं कमान क्षेत्र के सुव्यवस्थित प्रबंधन हेतु कमान क्षेत्र विकास गठित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में चल रही जल संसाधन परियोजनाओं, नहरी तंत्रों एवं अधूरे पड़े कार्यों को निर्धारित समयावधि में प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए ताकि आमजन को उनका त्वरित लाभ मिल सके।

वी. श्रीनिवास ने कृषि में जल की हर बूंद के विवेकपूर्ण उपयोग हेतु नहरी दक्षता बढ़ाने तथा ड्रिप, स्प्रिंकलर एवं सोलर आधारित पाइपलाइन योजनाओं को व्यापक स्तर पर अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवार जल उपलब्धता को देखते हुए किसानों को कम पानी में अधिक उपज देने वाली फसलों को अपनाने हेतु जागरूक व प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही, नदियों और जलाशयों के सतही जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करते हुए पेयजल आपूर्ति के लिए भूजल पर निर्भरता कम करने और डार्क जोन की समस्या से निजात दिलाने के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में 1990 के दशक के मध्य के बाद से सभी 16 नदी बेसिन योजनाओं का समयबद्ध अद्यतनीकरण किया जा रहा है, जिसके तहत आधुनिक तकनीकों, जल दक्षता और नहरी सुधारों के बल पर प्रदेश के सिंचाई कमांड क्षेत्र में वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बेसिनों के प्रस्तुतीकरण संबंधित हितधारक विभागों को भिजवाकर उनसे त्वरित टिप्पणी एवं सुझाव प्राप्त किए जाएं। बैठक के प्रारंभ में राजस्थान नदी बेसिन प्राधिकरण के मुख्य अभियंता राज पाल सिंह ने प्राधिकरण के गठन एवं कार्यों की जानकारी दी। माही परियोजना के मुख्य अभियंता ने माही बेसिन की विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया, जिसके अंतर्गत बजट घोषणाओं के अनुसार माही बेसिन के अधिशेष जल को जयसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, जवाई बांध तथा लूनी बेसिन तक पहुँचाने की योजनाओं की डीपीआर एवं प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य अभियंता, हनुमानगढ़ ने उत्तर संभाग (हनुमानगढ़, गंगानगर) में सीमित सतही जल एवं रावी, व्यास तथा सतलज नदियों से अंतरराज्यीय समझौतों के तहत प्राप्त जल की स्थिति पर प्रकाश डाला। मुख्य अभियंता, इंदिरा गांधी नहर परियोजना, बीकानेर विवेक गोयल ने परियोजना में प्राप्त हो रहे जल तथा निर्माणाधीन 4 जल संग्रहण संरचनाओं की जानकारी दी। मुख्य अभियंता, जल संसाधन संभाग कोटा ने चंबल बेसिन की परियोजनाओं तथा राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर बांध एवं कोटा बैराज की स्थिति से अवगत कराया, जिस पर मुख्य सचिव ने राणा प्रताप सागर से बीसलपुर बांध में जल लाने वाली ब्राह्मणी परियोजना के महत्व पर विशेष बल दिया। जोधपुर संभाग की चर्चा के क्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता, पाली ने बांडी एवं जोजरी नदी के प्रदूषण तथा उसके निवारण हेतु जारी प्रयासों पर प्रस्तुतीकरण दिया, जिसमें डी-स्लजिंग, एसटीपी संचालन एवं मुख्यधारा चैनल निर्माण कार्यों में तेजी लाने की बात कही गई। मुख्य अभियंता, जल संसाधन संभाग जोधपुर ने नर्मदा नहर परियोजना की विस्तृत जानकारी दी।

गहलोत का राजस्थान की भाजपा सरकार पर 300 से अधिक भूमि आवंटन रद्द करने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सोमवार को आरोप लगाया कि राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकार के समय आवंटित 300 से ज़्यादा भूखंडों के आवंटन रद्द कर दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बदले की भावना में यह कार्रवाई की है। गहलोत ने एक बयान में कहा, हमारी कांग्रेस सरकार के समय विभिन्न विभागों में समाजों, संस्थाओं एवं जनकल्याणकारी प्रयोजनों हेतु किए गए 300 से अधिक भूमि आवंटन भाजपा सरकार ने रद्द कर दिए हैं। इनमें से अधिकांश संस्थाओं द्वारा अमानत राशि जमा कराने के बावजूद आवंटन निरस्त कर दिए गए।

उन्होंने कहा कि ये आवंटन किसी पार्टी के नहीं बल्कि गांव-ढाणी से पढ़ने आने वाले बच्चों के छात्रावास, सामाजिक संस्थाओं एवं जनसुविधाओं के लिए थे। गहलोत ने कहा, इन्हें रद्द करना समाजों का अपमान एवं युवाओं के भविष्य पर कुठाराघात है। इससे समाजों में भयंकर आक्रोश है। परन्तु विडंबना देखिए, इसी सरकार के पास भाजपा के नए प्रदेश मुख्यालय एवं जिला कार्यालयों के लिए जमीनों की कोई कमी नहीं है। वहां आवंटन की फाइलें दिन-रात दौड़ रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल किया, क्या राजस्थान की जमीन सिर्फ भाजपा के दफ्तरों के लिए है, पिछड़े समाजों, हमारे बच्चों के लिए नहीं है? क्या इन जेन-जी बच्चों को भाजपा गंभीरता से नहीं लेती है? उन्होंने सरकार से इस मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। गहलोत ने कहा,सरकार श्वेत पत्र जारी कर बताए कि किन-किन आवंटनों को, किस आधार पर रद्द किया गया। बदले की भावना से किए गए ये सभी निर्णय तुरंत वापस लिए जाएं और सभी आवंटन पुन: बहाल किए जाएं।

दिया कुमारी ने मारवाड़ में विकास कार्यों का किया शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन दौरे पर रहीं। जहां उन्होंने स्टेट हाईवे 61 स्काई ओवर ब्रिज का व करोड़ो रुपये के विकास कार्यो का शिलान्यास व लोकार्पण किया। साथ ही मारवाड़ जंक्शन उपखंड मुख्यालय स्थित झाझरियां हनुमान मंदिर परिसर में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। सिरियारी और सवराड़ गांव की नदियों पर बने पुलों तथा रानी-भिवाड़िया सड़क मार्ग के नवीनीकरण कार्य का भी लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संबोधित करते हुये कहा कि सरकार में समयबद्ध रूप से योजना बनाकर कम समय में तेज व आधुनिक तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में सरकार ने गुणवत्तापूर्ण विकास कार्यों को धरातल पर उतारकर जनता के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास किया है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से सड़क, पुल और अन्य आधारभूत संरचना से जुड़े कार्य गुणवत्ता के साथ पूरे किए जा रहे हैं तथा सरकार विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंच रहा है और आगे भी मिलता रहेगा। उपमुख्यमंत्री ने लोगों से सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में भगवान के दर्शन कर देश प्रदेश खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी ने विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी इसके बाद सोजत नगर पालिका पहुचीं। उन्होंने वहां शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर लाभार्थियो को पट्टा वितरण किया। इस अवसर पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उपमुख्यमंत्री ने नगर पालिका में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली व उनके प्रभार वाले विभागों की योजनाओं, प्रगति व बकाया कामों की जानकारी ली व संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

उन्होंने राजयोजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री नारी उधम योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, बेटी बचाओं बेटी पढाओ योजना, में पाली जिले की स्थिति व प्रगति लाने के निर्देश दिये व विभिन्न प्रकरणों की प्रगति की जानकारी ली।

इसी प्रकार अन्य कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर सोजत विधायक शोभा चौहान, मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी सहित सभी संबंधित विभागों के जिला व ब्लॉक लेवल अधिकारी जनप्रतिनिधिगण आदि मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने औद्योगिक पार्कों के प्रस्तावों की समीक्षा कर डीपीआईआईटी को प्रेषित करने को दी मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के अंतर्गत राज्य स्तरीय समिति (एसएलसी) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) द्वारा विकसित किए जा रहे औद्योगिक पार्कों के प्रस्तावों की समीक्षा की गई। समिति ने इन प्रस्तावों को उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (उन्झाखखढ), भारत सरकार को अनुमोदन एवं आगे की कार्यवाही के लिए प्रेषित करने की स्वीकृति प्रदान की। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य शिखर अग्रवाल ने भव्य योजना के अंतर्गत प्रस्तावित चार औद्योगिक पार्कों - केबीएनआईआर (घइछखठ) इंडस्ट्रियल पार्क, कोटपूतली-बहरोड़; दौसा-बांदीकुई इंडस्ट्रियल पार्क, भोज्यारा इंडस्ट्रियल पार्क, जयपुर; तथा उदयपुर कलां इंडस्ट्रियल पार्क, किशनगढ़ (अजमेर) के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

उन्होंने बताया कि भव्य केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे डीपीआईआईटी द्वारा 10 अप्रैल 2026 को अधिसूचित किया गया है। योजना का उद्देश्य देशभर में निवेश के लिए तैयार विश्वस्तरीय औद्योगिक पार्क विकसित करना है। 23 मई 2026 को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2031-32 तक संचालित होने वाली इस योजना के तहत लगभग 33 हजार 600 करोड़ के वित्तीय प्रावधान के साथ देशभर में 100 औद्योगिक पार्कों के विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन पार्कों का चयन दो या अधिक चरणों में किया जाएगा, जिनमें प्रथम चरण में अधिकतम 50 परियोजनाओं को शामिल किए जाने का प्रावधान है। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि प्रस्तावित चारों औद्योगिक पार्कों का कुल क्षेत्रफल लगभग 2 हजार एकड़ है। इन परियोजनाओं के माध्यम से 8 हजार से 10 हजार करोड़ रुपये तक के निवेश तथा 45 हजार से अधिक लोगों के लिए रोजगार सृजन की प्रबल संभावना है। प्रस्तुतीकरण में पार्कों के लिए चयनित स्थलों की विशेषताओं, सेक्टर-विशिष्ट विकास, अवसंरचना योजना, कनेक्टिविटी, भूमि उपलब्धता तथा निवेश एवं रोजगार सृजन की संभावनाओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि ये प्रस्ताव राज्य में सेक्टर-विशिष्ट औद्योगिक विकास को गति देने, विनिर्माण पारितंत्र को सुदृढ़ बनाने तथा मेक इन इंडिया एवं एकीकृत औद्योगिक कॉरिडोर जैसी राष्ट्रीय पहलों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे। बैठक में बताया गया कि फेज-1 राउंड-1 के अंतर्गत 1 जून 2026 से 31 जुलाई 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसमें 20 प्रस्तावों का चयन किया जाएगा। वहीं फेज-1 राउंड-2 के लिए 1 अगस्त 2026 से 30 सितंबर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे, जिसमें 30 प्रस्तावों का चयन किया जाएगा।

पेपर लीक माफियाओं पर लगेगी लगाम, युवाओं के भविष्य से नहीं होगा खिलवाड़ : प्रेम चंद बैरवा

जयपुर । राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने पेपर लीक रोकने के उद्देश्य से लाए गए विधेयक का जोरदार समर्थन किया। उन्होंने इसे परीक्षा माफियाओं के खिलाफ सरकार का सख्त कदम बताया। उन्होंने दावा किया कि इस कानून से भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी और युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। वहीं, उन्होंने भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दूसरी ओर, मंत्री जोगाराम पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का समर्थन करते हुए नागरिकों से अपने घरों, कार्यालयों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने की अपील की। पेपर लीक रोकने वाले विधेयक पर उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य और उनके अधिकारों को लेकर हमेशा गंभीर रही है। पूर्व में हुई पेपर लीक की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने कैबिनेट से विधेयक को मंजूरी दी और अब इसे लोकसभा में पेश किया गया है। इस कानून के लागू होने से पेपर लीक माफियाओं पर प्रभावी लगाम लगेगी और आने वाले समय में विद्यार्थियों एवं युवाओं के भविष्य के साथ किसी प्रकार का अन्याय या खिलवाड़ नहीं होगा। सरकार की प्राथमिकता पारदर्शी और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है ताकि युवाओं का विश्वास बना रहे। मीराबाई चानू की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए बैरवा ने कहा कि वह पूरे देशवासियों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई।

मानसून फिर सक्रिय होने की उम्मीद, 29 से कई इलाकों में भारी बारिश के आसार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में इस सप्ताह मानसून के फिर तेज होने की संभावना है और आगामी दिनों में राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के जयपुर केंद्र के अनुसार, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र गहरा होकर 'अपदाब' में बदल गया है। इसके आगे बढ़ने के प्रभाव से 28 जुलाई से पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है।

विभाग के अनुसार, 29 जुलाई से दो अगस्त तक राज्य के अधिकांश भागों में मानसून एक बार फिर सक्रिय रहेगा और झमाझम बारिश हो सकती है। इस दौरान पूर्वी तथा उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश के आसार हैं। नए मौसमी तंत्र के सक्रिय होने से बीकानेर संभाग के कुछ क्षेत्रों में भी 29 जुलाई से दो अगस्त के बीच वर्षा होने का अनुमान है। इस बीच, सोमवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। जालौर और सिरोही जिलों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हुई। सर्वाधिक 86.5 मिलीमीटर बारिश सिरोही जिले के आबू रोड में दर्ज की गई।

नाबालिग बच्ची की खरीद-फरोख्त के आरोपियों की अवैध संपत्ति ध्वस्त

जयपुर।राजस्थान के अजमेर में पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने नाबालिग बच्ची की खरीद-फरोख्त के आरोपियों की अवैध निर्माण ढहाने शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार दरगाह थानाक्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची को 32 हजार रुपये में बेचे जाने के गंभीर मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपियों की अवैध रूप से अर्जित अचल संपत्तियों और अतिक्रमणों को ध्वस्त करने का काम शुरू कर दिया गया ।

सड़क दर्घटना में मुख्य आरक्षी समेत तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले में तेज रफ्तार 'बोलेरो' (एक चौपहिया वाहन) की टक्कर से दो मोटरसाइकिलों पर सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जिन लोगों की जान गयी उनमें एक राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबुलरी (आरएसी) का एक मुख्य आरक्षी था। पुलिस के अनुसार, यह हादसा रविवार रात वरदा थाना क्षेत्र के अंतरी के पास हुआ। थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान 13वीं आरएसी बटालियन के मुख्य आरक्षी धूलसिंह चौहान (55), उनके चचेरे भाई महिपाल सिंह (54) और दिनेश रोत (21) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, धूलसिंह ड्यूटी पूरी कर अपने चचेरे भाई के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे, इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार 'बोलेरो' ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना प्रभारी ने बताया, पहली मोटरसाइकिल को टक्कर मारने के बाद बोलेरो चालक मौके से भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन उसका वाहन आगे चल रही दूसरी मोटरसाइकिल से भी जा टकराया। इस हादसे में दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार दूसरी मोटरसाइकिल पर दिनेश रोत और संदीप (29) सवार थे। चारों घायलों को तत्काल डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने धूलसिंह और दिनेश को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस का कहना है कि गंभीर रूप से घायल महिपाल सिंह को बेहतर उपचार के लिए उदयपुर ले जाने की सलाह दी गयी लेकिन लेकिन उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई। संदीप का डूंगरपुर के अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद तीनों शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

पुलिस के मुताबिक हादसे के बाद बोलेरो चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश के लिए पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं।

विलुप्ति के कगार पर मालवी ऊंट, बचाने की शुरू हुई वैज्ञानिक मुहिम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत में मान्यता प्राप्त ऊंटों की नौ नस्लों में शामिल दुर्लभ मालवी (सफेद) ऊंट विलुप्त होने के गंभीर खतरे का सामना कर रहा है। इस नस्ल के अब केवल 102 ऊंट ही शेष बचे हैं, जिसे बचाने के लिए राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केंद्र (एनआरसीसी) ने विशेष संरक्षण एवं प्रजनन कार्यक्रम शुरू किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

वर्ष 2019 की पशुधन गणना के अनुसार, मालवी ऊंटों की संख्या में तेजी से गिरावट आई है, जिसके कारण यह नस्ल संकटग्रस्त श्रेणी में पहुंच गई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, किसी भी ऊंट की नस्ल में यदि प्रजनन योग्य मादा ऊंटों की संख्या 300 से कम रह जाती है, तो उसे विलुप्त होने के खतरे वाली नस्ल माना जाता है। मालवी के अलावा मेवाड़ी और मेवाती नस्ल भी इसी श्रेणी में आती हैं।

इस संकट से निपटने के लिए राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केंद्र (एनआरसीसी) ने विशेष प्रजनन एवं संरक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। एनआरसीसी के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. वेद प्रकाश ने कहा, हमने तीन नर और नौ मादाओं सहित 12 मालवी ऊंट खरीदे हैं तथा उनकी संख्या बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक तरीके से प्रजनन कार्यक्रम शुरू किया है।

उन्होंने कहा कि संस्थान इस नस्ल की आनुवंशिक शुद्धता बनाए रखने के लिए शुद्ध प्रजनन तकनीक पर काम कर रहा है,

ताकि इसकी संख्या बढ़ाई जा सके। मालवी ऊंट अपनी विशिष्ट सफेद रंगत के लिए जाना जाता है और इसे भारत की ऊंट नस्लों में सबसे छोटा माना जाता है। यह नस्ल दुग्ध उत्पादन के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। एक मादा मालवी ऊंट एक दुग्ध चक्र में लगभग चार से पांच किलोग्राम दूध देती है।

परंपरागत रूप से इस नस्ल का उपयोग परिवहन और सामान ढोने के लिए किया जाता रहा है। यह मुख्य रूप से मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र के मंदसौर, नीमच, रतलाम और ग्वालियर जिलों के अलावा राजस्थान के कोटा, बूंदी, झालावाड़ और बारां जिलों में पाई जाती है।

अधिकारियों के अनुसार, बदलती सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों तथा ऊंटों की घटती उपयोगिता के कारण इस नस्ल की संख्या लगातार कम होती गई है।

डॉ. वेद प्रकाश ने कहा, संरक्षण और प्रजनन कार्यक्रम के साथ-साथ हम इस नस्ल की विशिष्ट विशेषताओं का अध्ययन भी कर रहे हैं तथा किसानों और पशुपालकों के बीच जागरूकता फैलाने का काम भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीएजीआर), करनाल की नेटवर्क परियोजना के तहत संचालित किया जा रहा है। इसके तहत पशुपालकों को इस नस्ल की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया जा रहा है और इसके संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार वैज्ञानिक प्रयासों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही इस अनूठी रेगिस्तानी धरोहर को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है।

एक करोड़ लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य, 'सुधा' को बनाएंगे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दुग्ध उत्पादन हासिल करना है।

चौधरी ने कहा कि इसके लिए पशुपालकों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण, उन्नत नस्ल के पशु, पशु स्वास्थ्य सुविधाएं और मजबूत डेयरी अवसंरचना उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, सम्राट चौधरी ने नालंदा के बिहारशरीफ डेयरी परियोजना परिसर में प्रतिदिन 20 टन क्षमता वाले दही एवं लस्सी संयंत्र, बिहार राज्य दुग्ध सहकारी महासंघ लिमिटेड (कॉम्फेड) द्वारा संचालित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के पेट्रोल पंप तथा सुधा कैफेटेरिया का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 300 खुदरा विक्रेताओं को डीप फ्रीजर वितरित किए। उन्होंने पशु बचाव एवं परिवहन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा पशुपालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने बिहारशरीफ स्थित सुधा डेयरी संयंत्र का निरीक्षण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 टन प्रतिदिन क्षमता वाले दही एवं लस्सी संयंत्र की स्थापना एक महत्वपूर्ण

कदम है। इससे किसानों को उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए अलग से एक महासंघ का गठन किया जाएगा। बकरी के दूध के संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन की व्यवस्था इस महासंघ के माध्यम से विकसित की जाएगी। इससे बकरी पालन से जुड़े लाखों ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं की आय में वृद्धि होगी और दुग्ध क्षेत्र का दायरा भी बढ़ेगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि नालंदा को बिहार का प्रमुख दुग्ध उत्पादन एवं डेयरी प्रसंस्करण केंद्र बनाया जाएगा।

आधुनिक प्रसंस्करण इकाइयों, शीत श्रृंखला, विपणन नेटवर्क और नई परियोजनाओं के माध्यम से इसे डेयरी उद्योग के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मनुष्यों के साथ-साथ पशुओं के स्वास्थ्य की भी चिंता कर रही है। दुर्घटना में घायल होने वाले पशुओं को पशु बचाव एवं परिवहन वाहनों के माध्यम से शीघ्र उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक प्रखंड में प्रधानमंत्री पशु जन औषधि केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि पशुपालकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण पशु औषधियां उपलब्ध हो सकें। इसके लिए राज्यभर में करीब 1,000 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल बिहार में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की मांग को पूरा करना नहीं, बल्कि 'सुधा' ब्रांड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करना है। गुणवत्ता, आधुनिक तकनीक, मूल्य संवर्धन और निर्यात क्षमता को बढ़ाकर बिहार के दुग्ध उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाया जाएगा।उन्होंने कहा कि भारत के कुल दुग्ध उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। राज्य में 2,500 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया है।

हर समस्या का उचित और निष्पक्षता से कराएंगे समाधान : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में आए फरियादियों को भरोसा दिया कि हर समस्या का उचित और निष्पक्षता से समाधान किया जाएगा।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, योगी ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' के दौरान विभिन्न जिलों से आए प्रत्येक व्यक्ति से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यहां आए लोगों से कहा कि आप परेशान कतई न हों, सरकार हर समस्या का निष्पक्ष समाधान कराएगी। योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों का निस्तारण और समस्याओं का समाधान शीघ्रता से कराया जाए।

बयान के अनुसार, अपराध व जमीन पर कब्जा किए जाने संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

पूर्व जद(यू) सांसद अर्जुन राय भाजपा में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्व सांसद अर्जुन राय सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। राय ने बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी का विरोध करते हुए करीब एक दशक पहले जद(यू) से नाता तोड़ लिया था। राय ने 2024 का लोकसभा चुनाव राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के टिकट पर सीतामढ़ी निर्वाचन क्षेत्र से लड़ा था।

उन्होंने अपने कई समर्थकों के साथ भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष संजय सरावगी की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राय दिवंगत शरद यादव के करीबी माने जाते थे। शरद यादव जद(यू) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और वर्ष 2013 तक राजग के संयोजक भी रहे। उसी वर्ष नीतीश कुमार ने भाजपा से गठबंधन तोड़ दिया था। इसके चार वर्ष बाद, जब नीतीश ने राजद-कांग्रेस गठबंधन से नाता तोड़कर फिर से भाजपा के साथ सरकार बनाई, तब राय उन चुनिंदा जद(यू) नेताओं में शामिल थे जिन्होंने शरद यादव का साथ देते हुए इस फैसले का विरोध किया और लोकतांत्रिक जनता दल (एलजेडी) का गठन किया। बाद में, वर्ष 2022 में एलजेडी का जद(यू) में विलय हो गया।

डीपफेक, एआई-जनित पोस्ट मामले में गडकरी को मेटा, एक्स और अन्य पर मुकदमा करने की अदालत की मंजूरी

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को उनके खिलाफ अपलोड किए गए मानहानिकारक'' डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)-जनित पोस्ट को लेकर मेटा मंच, एक्स कॉर्प, गूगल एलएलसी और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दीवानी वाद दायर करने की सोमवार को अनुमति दे दी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता गडकरी ने 'लेटर्स पेटेंट' के खंड-12 के तहत अनुमति याचिका दायर की थी। यह एक प्रक्रियात्मक प्रावधान है, जिसके तहत यदि किसी वाद का कारण उच्च न्यायालय के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के बाहर उत्पन्न होता है, तो मुकदमा दायर करने से पहले अदालत से अनुमति लेना जरूरी होता है। ऐसी अनुमति आवश्यक होती है, ताकि अधिकार क्षेत्र की सीमाओं के बावजूद अदालत मुकदमे की सुनवाई कर सके और उसपर फैसला दे सके। न्यायमूर्ति अभय आहूजा की एकल पीठ के समक्ष सोमवार को गडकरी की अनुमति याचिका पर सुनवाई हुई। गडकरी के वकील संदीप लड्ढा ने दलील दी कि ऑनलाइन मंचों ने कथित मानहानिकारक और डीपफेक सामग्री महाराष्ट्र के उपयोगकर्ताओं सहित सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करायी।

'नबान्न' पर लगी नाम पट्टिका का रंग नीले से बदलकर भगवा किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार के सचिवालय भवन 'नबान्न' के ऊपर लगी नाम पट्टिका का रंग नीले से बदलकर अब भगवा कर दिया गया है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद हो रहे बदलावों में से यह एक है। यह बदलाव सोमवार सुबह तब दिखाई दिया, जब हावड़ा स्थित 14 मंजिला प्रशासनिक मुख्यालय 'नबान्न' पर लगा प्रकाशमान साइनबोर्ड नीले रंग की जगह भगवा रंग में नजर आया। हालांकि, इमारत का बाहरी हिस्सा अभी भी नीले और सफेद रंग का ही है।

राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''नबान्न की नाम पट्टिका का रंग बदलना, अलग-अलग सरकारी इमारतों में चल रहे रखरखाव और सजावट के काम का ही एक हिस्सा है।'' उन्होंने कहा, ''पूरी नबान्न इमारत को दोबारा रंगने के बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं है।'' अधिकारियों ने बताया कि राज्य सचिवालय की इमारत का रंग पूरी तरह बदलने के बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। राज्य में भाजपा की सरकार आने के कुछ ही समय बाद, नबान्न सभागार का रंग भी इसी तरह बदला गया था। नई भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही सचिवालय की इमारत की सजावटी रोशनी और राज्य सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर भी भगवा रंग का इस्तेमाल किया जा रहा है। पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान सरकारी इमारतों, उद्यानों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की पहचान नीले और सफेद रंग बन गए थे।

रांची में 16 माओवादी करेंगे आत्मसमर्पण

रांची/भाषा। झारखंड में 15 लाख रुपये के इनामी नक्सली संतोष उर्फ वासुदेव दा उर्फ दिलीप समेत 16 माओवादी मंगलवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। झारखंड पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले 16 माओवादियों में से छह पर कुल 39 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें एक क्षेत्रीय समिति का सदस्य, एक जोनल कमेटी का सदस्य, दो सब-जोनल कमेटी के सदस्य और दो एरिया कमेटी के सदस्य शामिल हैं। इस समूह में कई महिला माओवादी भी शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा-माओवादी) की क्षेत्रीय समिति के सदस्य संतोष का आत्मसमर्पण एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। वह विभिन्न जिलों के थानों में दर्ज 128 मामलों में वांछित था और उस पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस अवसर पर भाकपा (माओवादी) की जोनल कमेटी का सदस्य चंदन लोहरा भी आत्मसमर्पण करेगा, जो 78 मामलों में वांछित था और उस पर 10 लाख रुपये का इनाम था। आत्मसमर्पण के दौरान माओवादी अपने हथियार भी पुलिस को सौंपेंगे, जिनमें छह इंसास रायफल, दो एके-47, एक एचके-33, एक यूएस कार्बाइन और एक एम-16 रायफल के साथ-साथ 38 मैगजीन और 1,562 कारतूस शामिल हैं। हथियार डालने वाले अन्य प्रमुख माओवादियों में सब-जोनल कमेटी के सदस्य अनिल तुरी उर्फ उज्ज्वल और सुखलाल बिरजिया उर्फ अकेला (दोनों पर 5-5 लाख रुपये का इनाम), एरिया कमेटी के सदस्य सुदेश होनहागा उर्फ सोनाराम होनहागा और रिसिव (दोनों पर 2-2 लाख रुपये का इनाम), तथा जोनल कमेटी का सदस्य संतोष मांझी उर्फ जगबंधु शामिल हैं।

शुभेंदु ने सिक्किम में सुरंग हादसे में मारे गए 11 मज़दूरों के परिवारों को वित्तीय मदद दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जलपाईगुड़ी/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पड़ोसी राज्य सिक्किम के नामची जिले में हाल ही में सुरंग ढहने की घटना में मारे गए राज्य के 11 प्रवासी मजदूरों के परिवारों को सोमवार को आर्थिक सहायता सौंपी और नौ पीड़ित परिवारों के सदस्यों को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री अधिकारी ने जलपाईगुड़ी जिलाधिकारी कार्यालय में प्रभावित परिवारों से मिलने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि प्रभावित सभी 11 परिवारों को कुल 21-21 लाख रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, आज हमने जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिवारों को आर्थिक मदद दी है। नौ परिवारों के सदस्यों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इनमें से सात को होम गार्ड के तौर पर और दो को नागरिक स्वयंसेवक के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। दुख की इस घड़ी में हम इन परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं। अधिकारी ने खुद पीड़ित परिवारों के सदस्यों को नियुक्ति पत्र और राज्य सरकार की ओर से आर्थिक मदद सौंपी।

इनमें से कई लोग मालबाज़ार और उत्तर बंगाल के दूसरे इलाकों से आए थे। उन्होंने मारे गए कर्मचारियों के माता-पिता, जीवनसाथी और भाई-बहनों से भी बातचीत की।

उन्होंने कहा, ''यह कोई परमार्थ का कार्य नहीं है, बल्कि यह हमारी जिम्मेदारी है। राज्य सरकार मुख्यमंत्री राहत कोष से हर शोक संतप्त परिवार को पांच लाख रुपये दे रही है। सिक्किम सरकार पहले ही प्रत्येक परिवार को चार-चार लाख रुपये दे चुकी है।

परियोजना में शामिल सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हर परिवार को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवज़ा दे रही है, जबकि काम कराने वाला निजी ठेकेदार भी हर परिवार को पांच-पांच लाख रुपये दे रहा है। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।''

पिछले हफ्ते नामची में बन रही एक सुरंग का कुछ हिस्सा ढहने से राज्य के 11 मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में से नौ जलपाईगुड़ी जिले के मालबाजार के रहने वाले थे।

सिवान छात्र प्रदर्शन में एके-47 के कथित इस्तेमाल की न्यायिक जांच हो : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सिवान में 25 जुलाई को छात्र प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर एके-47 राइफल के इस्तेमाल की सोमवार को न्यायिक जांच कराने की मांग की। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीट प्रश्नपत्र लीक के कथित मामले को लेकर 25 जुलाई को आयोजित बिहार बंद के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी छात्र प्रदर्शनकारियों को रिहा करने की भी मांग की।

उन्होंने सरकार से सोमवार रात तक सभी छात्रों को रिहा करने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर उनकी पार्टी राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। तेजस्वी ने कहा, ''सिवान में छात्र प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर एके-47 राइफल का इस्तेमाल करने वाले आरक्षी को केवल निलंबित कर देना पर्याप्त नहीं है। इस घटना की न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए। एके-47 के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया, इसकी पहचान कर उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। देश में यह पहली बार है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित तौर पर एके-47 का इस्तेमाल किया गया है।''

बिहार में पुलिस ने एके-47 चलाई, क्या विद्यार्थी आतंकवादी हैं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार के सीवान में प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों के खिलाफ एक पुलिसकर्मी द्वारा कथित तौर पर एके-47 का इस्तेमाल किए जाने को लेकर सोमवार को भाजपा पर 'बर्बरता' का आरोप लगाया और सवाल किया कि क्या अब भाजपा की सरकारों में विद्यार्थी ''आतंकवादी'' हो गए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस कांस्टेबल एके-47 राइफल का इस्तेमाल करता दिखाई दे रहा है। हालांकि, 'पीटीआई-भाषा' इस वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता।

सीवान के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पूरण कुमार झा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''वीडियो में दिखाई दे रहा कांस्टेबल जिला आसूचना इकाई (डीआईयू) में तैनात है, जिसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि बिहार में प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर एके-47 से गोली चलाए जाने और सैकड़ों विद्यार्थियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने की खबरें आ रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया, ''कहां गया आपका वादा कि विद्यार्थियों पर कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी और उन्हें रिहा कर दिया जाएगा?'' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इसके विपरीत विद्यार्थियों पर घातक हमले और ''बर्बरता'' की जा रही है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में विद्यार्थियों पर 'पेलेट' गन का और बिहार में एके-47 का इस्तेमाल किया गया। गांधी ने कहा, ''मोदी जी, देश के विद्यार्थियों से माफ़ी मांगिए और जिन्होंने विद्यार्थियों हमला किया है, उन्हें कुचला है, उनपर कार्रवाई कीजिए, न कि विद्यार्थियों पर।'' एके-47 राइफलों के इस्तेमाल की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थी आतंकवादी नहीं हैं।

बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान एके-47 के इस्तेमाल के आरोप में कांस्टेबल निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के सीवान जिले में 25 जुलाई को छात्र आंदोलन के दौरान कथित तौर पर एके-47 राइफल का इस्तेमाल करने वाले पुलिस कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर एक वीडियो के प्रसारित होने के बाद हुई है जिसमें पुलिस कांस्टेबल छात्र प्रदर्शन के दौरान एके-47 राइफल का इस्तेमाल करता दिखाई दे रहा है। हालांकि, 'पीटीआई-भाषा' इस वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता। सीवान के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पूरण कुमार झा ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। उन्होंने कहा, यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि प्रदर्शन के दौरान कांस्टेबल ने किन परिस्थितियों में एके-47 राइफल का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल को गोली नहीं चलाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे।

छात्रों के ख़िलाफ एके-47 का इस्तेमाल व लाठीचार्ज गलत, हम इसके ख़िलाफ हैं : लोजपा (राम विलास) सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) की सांसद शाम्भवी चौधरी ने बिहार में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर एके-47 राइफल के इस्तेमाल और देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शनकारी युवाओं पर लाठीचार्ज को सोमवार को गलत बताते हुए कहा, ''हम इसके ख़िलाफ हैं।''

उन्होंने कहा कि ''कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के प्रवक्ताओं ने स्वीकार किया है कि प्रदर्शनों के दौरान असामाजिक तत्व मौजूद थे और कानून-व्यवस्था कायम रखी गई।'' चौधरी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि आप शांति से अपनी बात रख सकते हैं। शांतिपूर्ण विरोध का हमेशा स्वागत है, और हमारे लोकतंत्र में युवाओं को इसमें शामिल होने और अपनी बात रखने का अधिकार है।''

उन्होंने कहा, जहां कहीं एके-47 का इस्तेमाल हुआ है, वह गलत है और हम इसके ख़िलाफ़ हैं; विभिन्न स्थानों पर छात्रों पर लाठीचार्ज भी गलत है। हालांकि, सोनम वांगचुक और कॉजपा प्रवक्ताओं ने स्वीकार किया है कि कई मौकों पर विरोध प्रदर्शनों के दौरान असामाजिक तत्व मौजूद थे, और वहां कानून-व्यवस्था कायम रखी गई।''

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच के लिए एसआईटी बनाई गई : उप्र सरकार ने न्यायालय को बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उसने अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी की जांच के लिए पुलिस महानिरीक्षक किरण एस की अध्यक्षता में चार सदस्यों वाली एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) बनाई है। उच्चतम न्यायालय ने राज्य सरकार से एसआईटी में पांचवें सदस्य के तौर पर एक 'फॉरेंसिक ऑडिटर' शामिल करने को कहा, जो दो हफ़्ते के अंदर पहली स्थिति रिपोर्ट सौंपेगी।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया। उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय के सुझाव के बाद 25 जुलाई को जारी एक अधिसूचना के ज़रिए एसआईटी का गठन किया गया है। विधि अधिकारी ने कहा कि एसआईटी में पुलिस महानिरीक्षक के अलावा, उपमहानिरीक्षक रैंक के एक अधिकारी, एक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भी शामिल होंगे। पीठ ने कहा कि एसआईटी को अपनी रिपोर्ट देने दें। इसने सुनवाई दो हफ़्ते के लिए टालते हुए कहा, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी ज़रूरी कदम उठाए जाएंगे।

राम मंदिर दान चोरी के आठ आरोपियों की न्यायिक हिरासत 10 अगस्त तक बढ़ाई गई

अयोध्या/भाषा। राम मंदिर कथित चढ़ावा चोरी मामले के सभी आठ आरोपियों की न्यायिक हिरासत एक स्थानीय विशेष अदालत ने सोमवार को 14 दिनों के लिए बढ़ा दी। बचाव पक्ष के वकील ने यह जानकारी दी। बचाव पक्ष के वकील कुल शेखर सिंह ने बताया कि विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निरोधक) रजत वर्मा ने आरोपियों को जिला जेल से वस्तुतः अदालत में पेश किए जाने के बाद न्यायिक हिरासत 10 अगस्त तक बढ़ा दी। ये आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू हैं। पुलिस जांच के तहत उनसे पुलिस हिरासत के दौरान पूछताछ कर चुकी है।

सुविचार

दया और करुणा मानवता की पहचान हैं। जरूरतमंद की मदद करें, दुखियों का सहारा बनें, यही सच्ची सेवा है, यही सच्चा धर्म है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्रांति या भ्रांति?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सोशल मीडिया पर जिस कथित जेन जी क्रांति की बातें हो रही हैं, उसके खतरनाक संकेतों को नज़रअंदाज़ करना भविष्य में घातक सिद्ध हो सकता है। कुछ यूट्यूबरों को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापकों में तारणहार मिल गया है। उन्हें लगता है कि ये हर समस्या का समाधान कर देंगे। कुछ ऐसी ही हवा अन्ना आंदोलन के बाद बह रही थी, जब अरविंद केजरीवाल और उनके साथियों को देखकर बहुत लोग यह शर्त लगाते थे कि एक बार इनकी सरकार बनने दीजिए, फिर तो दिल्ली की तस्वीर और तकदीर, दोनों बदल जाएंगी! उसके बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली और पंजाब में सरकारें बनाईं। वर्तमान में पंजाब में उसी की सरकार है। क्या वहां महंगाई, बेरोजगारी, नशाखोरी, सरकारी स्कूलों व अस्पतालों की खस्ता हालत, भ्रष्टाचार और प्रदूषण जैसी समस्याएं नहीं हैं? 'आप' के कई वरिष्ठ नेता भ्रष्टाचार के मामले में जेल जा चुके हैं। जब सरकारें समस्याओं का समाधान नहीं कर पाती हैं, उनकी कार्यशैली से लोगों को परेशानी होने लगती है, तब क्रोध और कुंठा का जन्म होता है। ऐसे समय में कुछ लोग आगे आते हैं। भारत की जनता उनसे ज्यादा ही उम्मीदें लगा लेती है। कालांतर में जब उम्मीदें टूटती हैं तो गहरा पछतावा होता है। याद करें, जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन हुआ था तो बिहार में कितने युवा नेता उभरे थे? वे महाविद्यालयों से निकले ही थे। लोगों को विश्वास हो चला था कि ये सबकुछ ठीक कर देंगे। बाद में, उनमें से कई नेता कांग्रेस के साथ चले गए। एक महाशय तो कुशासन, भ्रष्टाचार और जंगलराज के प्रतीक बन गए थे। उन्हें आज भी घोटालों के लिए याद किया जाता है। इसलिए सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान जो चेहरे चर्चा में आए, उन्हें अपना आदर्श बनाने में जल्दबाजी न करें। खासकर युवाओं को इस मामले में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि उन्हें अनुभव कम है। उन पर भावनाएं जल्दी हावी हो जाती हैं।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान भगवान श्रीराम और देवी-देवताओं के बारे में अभद्र टिप्पणियां की गई थीं। कई लोगों ने खुद को आधुनिक दिखाने के लिए आपत्तिजनक नारे लगाए थे। वे अनुचित संकेत करते दिखाई दिए थे। किसी क्रांतिकारी के लिए चरित्र की पवित्रता पहली शर्त होती है। भगत सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आज़ाद जैसे महान क्रांतिकारियों का चरित्र भी महान था। जब प्रदर्शनकारी संसद भवन की ओर जा रहे थे तो कई लोगों के हाथों में ऐसे प्लेकार्ड थे, जिन्हें कोई विवेकशील व्यक्ति अपने परिवार को कभी नहीं दिखा सकता है। एक प्लेकार्ड खूब चर्चा में रहा, जिसमें श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक को मजाकिया ढंग से पेश किया गया था। इस प्रदर्शन में मुस्लिम, सिक्ख और ईसाई समुदाय के लोगों ने भी भाग लिया था। वे अपने धर्म के बारे में और किसी अन्य धर्म के बारे में कोई गलत टीका-टिप्पणी नहीं कर रहे थे। यह अच्छी बात है, लेकिन हिंदू युवा ही हिंदू धर्म के अवतारों और पूजनीय प्रतीकों का मजाक उड़ा रहे थे। ये लोग सरकार का विरोध करते-करते हिंदू धर्म को निशाना बनाने लगे थे। क्या हमें इसे स्वीकार करना चाहिए? इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि सरकार को जिम्मेदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। हर नागरिक को उसका जायज हक मिलना चाहिए। किसी ने गलत किया है तो पीड़ित को न्याय मिलना चाहिए। अगर मंत्री के इस्तीफे में हर समस्या का समाधान ढूंढ़ेंगे तो उसके असर बहुत गहरे होंगे। कल्पना करें, किसी राज्य सरकार के शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा का पेपर दूर-दराज के स्कूल में एक कर्मचारी ने लीक कर दिया। अब क्या होगा? गलती कर्मचारी की थी, लेकिन शिक्षा मंत्री की कुर्सी जाएगी। फिर यह सिलसिला यहीं नहीं रुकेगा। जिन राज्यों में कांग्रेस और अन्य (विपक्षी) दलों की सरकारें हैं, वहां कोई गड़बड़ हुई तो भाजपा भी संबंधित मंत्रियों के इस्तीफे मांगेगी। क्या वे मंत्री कुर्सी छोड़ेंगे? क्या सीजेपी उनके खिलाफ आंदोलन करेगी? इसका जवाब देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

छात्रों पर हो रही बेरहमी और पुलिस की ताकत के गलत इस्तेमाल की जो खबरें आ रही हैं, वे बहुत चिंताजनक हैं।ङ्कङ्कबोलने की आज़ादी हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। स्टूडेंट की आवाज़ को दबाने और उन्हें कुचलने की कोई भी कोशिश डेमोक्रेटिक वैल्यूज़ के खिलाफ है।

-सचिन पायलट

आज मुख्यमंत्री के घर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा के स्पीकर श्री रथींद्र बोस जी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस मौके पर उन्होंने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की लिखी सदाबहार रचना 'गीतांजलि' भेंट की।

-भजनलाल शर्मा

भारतीय दर्शन और सनातन संस्कृति में, गुरु को साक्षात परम ब्रह्म माना जाता है। गुरु पूर्णिमा का पवित्र त्योहार हम सभी के लिए अपने गुरुओं के प्रति अपनी श्रद्धा, आभार और सम्मान दिखाने का मौका है।गुरु सिर्फ़ शिक्षा ही नहीं देते; वे जीवन को रास्ता भी दिखाते हैं।

-योगी आदित्यनाथ

प्रेरक प्रसंग

सफाई से जीवन रक्षा

सन 1847 में वियना के एक अस्पताल में डॉ. इग्नाज़ सेमेल्वाइस कार्यरत थे। उन्होंने एक विचित्र बात पर ध्यान दिया। जिस प्रसूति वार्ड में डॉक्टर प्रसव कराते थे, वहां माताओं की मृत्यु दर दूसरे वार्ड की तुलना में कहीं अधिक थी, जहां दाइयां प्रसव कराती थीं। उन्होंने कई महीनों तक कारण खोजा। अंततः उन्होंने देखा कि डॉक्टर शव-परीक्षण करने के तुरंत बाद बिना हाथ अच्छी तरह साफ किए प्रसूति कक्ष में चले जाते थे। सेमेल्वाइस ने सभी डॉक्टरों के लिए क्लोरीन मिले घोल से हाथ धोना अनिवार्य कर दिया। कुछ ही महीनों में मृत्यु दर नाटकीय रूप से घट गई। उन्हें लगा कि अब सब लोग इस व्यवस्था को अपनाएंगे। लेकिन वरिष्ठ चिकित्सकों ने उनकी बात मानने से इनकार कर दिया। सेमेल्वाइस के पास आंकड़े थे, परिणाम थे, फिर भी उन्हें स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने अपना काम जारी रखा। वर्षों बाद विज्ञान ने सिद्ध किया कि वे सही थे। रोगाणुओं के सिद्धांत के विकसित होने पर दुनिया ने समझा कि हाथ धोना केवल सफाई नहीं, जीवन बचाने का उपाय है। आज अस्पतालों में हाथ धोना सामान्य नियम है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस साधारण आदत के पीछे एक ऐसे चिकित्सक का संघर्ष छिपा है।

सामयिक

पंजाब चुनाव में कांग्रेस की राह आसान नहीं !

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पंजाब में 'मिशन 2027' का मतलब अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग होगा। सत्ताधारी आप के लिए, यह उस इकलौते राज्य को बचाने की 'करो या मरो' वाली लड़ाई है जहां उसकी सरकार है। कांग्रेस के लिए, यह 2022 में खोई हुई राजनीतिक जमीन को वापस पाने की लड़ाई है। शिरोमणि अकाली दल के लिए, यह शायद अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई है। और आखिर में, भाजपा के लिए, यह अपनी झोली में एक नया राज्य जोड़ने की कोशिश है। कांग्रेस की बात करें तो, पंजाब में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पार्टी की राह वाकई आसान नहीं है। पार्टी इस समय अंदरूनी गुटबाजी, नेतृत्व के संकट और मजबूत विपक्ष जैसी कई बड़ी चुनौतियों से जूझ रही है कांग्रेस पार्टी के ऑब्जर्वर भूपेश बघेल की यह घोषणा कि कांग्रेस राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव राहुल गांधी की अगुवाई में लड़ेगी, इस बात को परोक्ष रूप से स्वीकार करना है कि राज्य इकाई के भीतर चल रही आपसी कलह के खत्म होने की संभावना कम है। यह इस सच्चाई को भी दर्शाता है कि राज्य-स्तर के किसी एक नेता की अगुवाई में एकजुट चुनावी अभियान चलाना राज्य कांग्रेस और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व, दोनों की ही क्षमता से बाहर है।

पंजाब की राजनीति में जातीय समीकरण बहुत मायने रखते हैं। कांग्रेस हाईकमान जट्ट सिख (राजा वारिंग) और दलित (चरणजीत सिंह चन्नी) चेहरों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन दोनों नेताओं के समर्थक अपने नेता को ही मुख्य चेहरा बनाने के लिए दबाव डाल रहे हैं। इसके अलावा मनीष तिवारी जैसे वरिष्ठ नेताओं को अहम जिम्मेदारी न मिलने से पार्टी के भीतर असंतोष और गहरा गया है। असल में चन्नी को लेकर कांग्रेस आलाकमान की दुविधा दिखती है, वो 2022 को नहीं दोहराना चाहते हैं। जब चन्नी के नेतृत्व में कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। दूसरा चन्नी पर केंद्रीय एजेंसियों का भी शिकंजा है खासकर कर ईडी का मामला। कुछ इन्हीं वजहों से कांग्रेस नेतृत्व चन्नी को आगे लाने से हिचक रहा है। यहां पर भरोसे का मामला बनता दिख रहा है।

असल में, कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने बिना किसी सम्मानजनक तरीके के कैप्टन से लीडरशिप छीनकर, राज्य इकाई को उस एकमात्र नेता से वंचित कर दिया, जिनका पूरे राज्य में राजनीतिक प्रभाव था। कैप्टन अमरिंदर सिंह के पार्टी छोड़ने के बाद से कांग्रेस पंजाब में कोई ऐसा सर्वमान्य और मजबूत 'कैप्टन' खड़ा नहीं कर पाई है जो पूरी पार्टी को एकजुट रखकर चुनावी नैया पार लगा सके। फिलहाल, राजा वड़िंग, चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा या प्रताप सिंह बाजवा-इनमें से किसी भी नेता का जनाधार कुछ ही विधानसभा क्षेत्रों से आगे नहीं है, और न ही उनमें से कोई अपने प्रशासनिक दबदबे के लिए जाना जाता है; साफ-सुथरी राजनीतिक छवि की तो बात ही छोड़ दें।

बघेल के बयान से यह साफ है कि वह यह काम करने में नाकाम रहे। पंजाब में कांग्रेस पार्टी का सिर्फ़ एक ही चेहरा है, और वह हैं राहुल गांधी। राज्य कांग्रेस उनके नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। हालांकि, इस घोषणा का मतलब यह भी है कि पार्टी नेताओं की रणनीति का मुख्य फोकस चुनाव जीतने पर होना चाहिए। अगला मुख्यमंत्री या विपक्ष का नेता कौन बनेगा, यह चुनाव के नतीजे आने के बाद ही तय होगा। यह रणनीति अपने आप में बुरी नहीं है। भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में इसी रणनीति का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया है। हरियाणा का उदाहरण भी हमारे सामने है। वहां, 2025 के विधानसभा चुनावों से पहले, मौजूदा सरकार से मतदाताओं की नाराजगी को कम करने की कोशिश में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी को लाया गया। यह रणनीति दो मोर्चों पर कारगर साबित हुई। भाजपा ने न केवल लगातार तीसरी बार हरियाणा विधानसभा चुनाव जीता, बल्कि इस कामयाबी ने नायब सिंह का राजनीतिक कद भी बढ़ाया। अब वे पगड़ी पहनकर पंजाब के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों का नियमित दौरा कर रहे हैं और सैनी समुदाय के वोटों को भाजपा के पक्ष में एकजुट करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

राहुल गांधी का नाम लेकर बघेल ने जो कदम उठाया है, उसकी असलियत विधानसभा चुनावों के दौरान ही पता चलेगी। इस नजरिए की एक अहम वजह यह है कि वोट खींचने के मामले में, राहुल गांधी अब तक पूरे देश में भाजपा के नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने में कामयाब नहीं रहे हैं, और न ही निकट भविष्य में ऐसी कामयाबी की कोई उम्मीद है। वैसे भी, पंजाब के हालात अलग हैं। यहां मोदी के समर्थकों की संख्या इतनी ज्यादा नहीं है कि भाजपा अपने दम पर दो से ज्यादा लोकसभा सीटें जीत सके, भले ही हालात उसके लिए बहुत अच्छे हों। इसी तरह, नेहरू-गांधी परिवार के समर्थक भी पंजाब के लोगों में उस परिवार के प्रति मौजूद बेरुखी से इनकार नहीं कर सकते। इन सब के बीच कांग्रेस और आप, दोनों को ही भाजपा की चौंकाने वाले नतीजे देने की क्षमता को कम नहीं आंकना चाहिए। भगवा पार्टी ने ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों में ऐसा पहले भी किया है। असलियत यह है कि पंजाब कांग्रेस ने 2002 और 2017 के विधानसभा चुनाव मुख्य रूप से कैप्टन अमरिंदर सिंह के व्यक्तिगत प्रभाव के कारण जीते। लोगों ने कैप्टन में प्रकाश सिंह बादल का विकल्प देखा। असल में, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने जिन भी निर्वाचन क्षेत्रों में रैलियां कीं, वहां कांग्रेस उम्मीदवार को जीत के बजाय हार का सामना करना पड़ा। 2017 में 77 सीटें जीतने वाली यह पुरानी पार्टी 2022 में सिमटकर 18 सीटों पर आ गई, लेकिन पिछले चार साल का ज्यादातर समय उसने अंदरूनी कलह और नेतृत्व को लेकर उलझन से निपटने में ही बिताया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह के जाने से पैदा हुए नेतृत्व के खालीपन को भरने के लिए पार्टी के नेता अभी भी एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगे हैं। 2022 के विधानसभा चुनावों से पहले हाईकमान द्वारा हटाए जाने तक अमरिंदर पंजाब कांग्रेस के निर्विवाद नेता थे। वर्ष 2022 से पहले अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच हुई लड़ाई का फायदा उठाने वाले और मुख्यमंत्री के तौर पर पार्टी की कमान संभालने वाले चरणजीत सिंह चन्नी, पार्टी की शर्मनाक हार के बाद से ही लगभग निष्क्रिय रहे हैं। असल में, चन्नी खुद उन दोनों सीटों पर चुनाव हार गए थे जिनसे वे लड़े थे। कांग्रेस हाईकमान ने, जैसा कि वह अक्सर करता है, लंबे समय तक राज्य के नेतृत्व पर कोई स्पष्ट फैसला नहीं लिया। वर्तमान में सत्तारूढ़ 'आप' सरकार अपनी योजनाओं, मुफ्त बिजली और नौकरियों के दम पर दोबारा सत्ता में लौटने के लिए पूरा जोर लगा रही है, जिससे पार पाना कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती है।

वहीं पश्चिम बंगाल में मिली प्रचंड जीत के बाद भाजपा भी पूरे उत्साह के साथ चुनाव की तैयारियों में जुटी है। शिरोमणि अकाली दल भी अपनी खोयी राजनीतिक जमीन वापस पाने की कोशिशों में जुटा है। विपक्ष कांग्रेस की इसी कुर्सी की जंग और गुटबाजी पर लगातार तंज कस रहे हैं, जिससे जनता के बीच पार्टी की छवि प्रभावित हो रही है। ऐसे में, यह आसानी से समझा जा सकता है कि राहुल गांधी का नेतृत्व विधानसभा चुनावों में राज्य कांग्रेस को किस हद तक सफलता दिला पाएगा। यदि कांग्रेस को 2027 के चुनावों में अपनी खोई हुई जमीन वापस पानी है, तो केंद्रीय नेतृत्व को जल्द से जल्द पंजाब इकाई के मतभेदों को सुलझाना होगा। जब तक पार्टी एकजुट होकर जमीन पर नहीं उतरती, तब तक पंजाब में उसकी राह बेहद चुनौतीपूर्ण बनी रहेगी।

नजरिया

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है। माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था।

आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है।

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है।

भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-मैं' से पहले हम' का भाव। आज हम' की जगह मैं' ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति-पत्नी दोनों अपने-अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी-छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए।

> **भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है- वसुधैव कुटुम्बकम।' लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है। नई पीढ़ी को केवल सफल बनाने की नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाने की है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो उसकी शुरुआत संसद, न्यायालय या विश्वविद्यालयों से नहीं, बल्कि हर घर के आंगन से होगी।**

भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति संयुक्त परिवार' कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन-मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता-पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति-पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं।

समय आ गया है कि परिवारों में पुनः संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन-मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह-पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुनः सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी।

भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है- वसुधैव कुटुम्बकम।' लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है। नई पीढ़ी को केवल सफल बनाने की नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाने की है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो उसकी शुरुआत संसद, न्यायालय या विश्वविद्यालयों से नहीं, बल्कि हर घर के आंगन से होगी। संयुक्त परिवार की आत्मा, रिश्तों की गरिमा, संवाद की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को पुनर्जीवित करना ही इस युग की सबसे बड़ी राष्ट्रीय आवश्यकता है। यही सुप्रीम कोर्ट की चिंता का वास्तविक संदेश है और यही भारतीय सभ्यता के भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रतिस्पर्धा

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दौरान सोमवार को पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में भारत के सचिन सिवाच और इंग्लैंड के विलियम हेविट प्रतिस्पर्धा करते हुए।

अब मुझे परवाह नहीं लोग क्या सोचते हैं : सानवी तलवार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सानवी तलवार इन दिनों अपनी हॉरर थ्रिलर फिल्म 'खामोश आहटें' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि पहले के मुकाबले वे आज अपनी बात को रखने में सहज महसूस करती हैं। अभिनेत्री से आईएएनएस ने पूछा, आपके करियर में एक समय ऐसा भी आया था, जब आप एक निजी विवाद के कारण सुर्खियों में रहीं। उस अनुभव से आपने क्या सीखा? अभिनेत्री सानवी तलवार ने कहा, मैंने अपने जीवन के अनुभवों से सीखा है कि जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी राय रखनी चाहिए। पहले मैं सिर्फ सीमित लोगों से बातें किया करती थी, लेकिन अब समझ आता है कि जब कोई बात एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है, तो उसका मतलब बदल जाता है। आज मैं खुलकर अपनी बात रखने में सहज महसूस करती हूं, क्योंकि यह मेरा अपना फैसला है। अब मैं इस बात की चिंता नहीं करती कि लोग मेरे बारे में क्या सोचेंगे। अगर मुझे लगता है कि कोई बात सही है, तो मुझे उसके बारे में बोलना चाहिए।दरअसल, अभिनेत्री सानवी तलवार ने एक इंटरव्यू के दौरान करण कुंद्रा पर आरोप लगाते हुए बताया था कि 2015 के टीवी शो 'ये कहां आ गए हम' के सेट पर एक सीन के दौरान करण ने डायरेक्टर के एक्शन बोलने से पहले उन्हें जबरन किस किया, जिसके जवाब में सानवी ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद करण ने उन्हें जोरदार थप्पड़ मारा और गाली गलौज की थी।कई लोगों ने सवाल उठाया कि आपने इस मुद्दे पर इतनी देर बाद क्यों बात की। उन महिलाओं के लिए आप क्या कहना चाहेंगी, जो अपनी बात कहने से झिझकती हैं? अभिनेत्री ने कहा, मैं हर महिला से कहना चाहूंगी कि अगर आपके साथ कुछ गलत हुआ है और आप उस समय अपनी बात नहीं कह पाईं, तो भी कभी देर नहीं होती। जब आपको सही लगे और आप तैयार महसूस करें, तब अपनी बात सामने रखें। अगर आप अपने अनुभवों के बारे में कभी नहीं बोलेंगी, तो लोग सच्चाई जान नहीं पाएंगे। मेरी बात किसी के माध्यम से अनुषा दांडेकर (करण कुंद्रा की एक्स गर्लफ्रेंड) के पास पहुंच गई थी।

मुलाकात

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को मुंबई स्थित वर्षा बंगले पर नेपाल के सांसद संदीप राणा और उनके प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की।

पंकज त्रिपाठी को आईएफएफएम में मिलेगा 'आर्टिस्ट ऑफ डिस्टिंक्शन' पुरस्कार

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता पंकज त्रिपाठी को भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफएम), 'मेलबर्न में आर्टिस्ट ऑफ डिस्टिंक्शन' (प्रतिष्ठित कलाकार) पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह सम्मान भारतीय सिनेमा में अभिनेता के असाधारण योगदान और देश के सबसे सम्मानित कलाकारों में से एक के रूप में उनकी उल्लेखनीय यात्रा को देखते हुए दिया जाएगा। यह पहली बार होगा जब राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता इस फिल्म महोत्सव में शामिल होंगे और ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में यह सम्मान प्राप्त करेंगे। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'न्यूटन' और 'स्त्री' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले पंकज त्रिपाठी ने कहा कि यह पुरस्कार मिलना उनके लिए वास्तव में खास और बेहद मायने रखने वाला है।

उन्होंने एक बयान में कहा, भारतीय फिल्म महोत्सव, मेलबर्न में जल्द ही 'आर्टिस्ट ऑफ डिस्टिंक्शन' सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए बेहद गर्व का क्षण है। एक अभिनेता के तौर पर मेरा हमेशा यह विश्वास रहा है कि कहानियों में सीमाओं को पार करने, दिलों को जोड़ने और भाषा या भौगोलिक दूरी की परवाह किए बिना लोगों को करीब लाने की असाधारण शक्ति होती है। उन्होंने कहा, आईएफएफएम जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर मेरी यात्रा को पहचान मिलना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मेरे करियर की हर उपलब्धि फिल्म निर्माताओं, लेखकों, निर्देशकों, सह-कलाकारों, तकनीशियनों और सबसे बढ़कर दर्शकों के विश्वास और सहयोग से संभव हो पाई है, जिन्होंने मेरे काम को इतना प्यार और अपनापन दिया। यह सम्मान जितना मेरा है, उतना ही उन सभी लोगों का भी है।

उन्होंने कहा, बिहार के एक छोटे से गांव से आने वाले मेरे जैसे व्यक्ति ने कभी कल्पना नहीं की थी कि जिन कहानियों का मैं हिस्सा बनूंगा, वे एक दिन पूरी दुनिया तक पहुंचेंगी और इस तरह सराही जाएंगी।

'मुझको राणाजी माफ करना' के नए वर्जन में दिखीं माहिरा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

90 के दशक के कई गाने आज भी लोगों की जुबान पर हैं। इनमें से एक है फिल्म 'करण अर्जुन' का मशहूर गीत 'मुझको राणाजी माफ करना', जिसने जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। अब इस सदाबहार गाने को नए अंदाज में 'राणाजी 2.0' के नाम से पेश किया गया है। नए वर्जन में अभिनेत्री माहिरा शर्मा नजर आ रही हैं। इस पर माहिरा का कहना है कि इतने लोकप्रिय गाने को रीक्रिएट करना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि दर्शकों की उम्मीदें पहले से ही बहुत बड़ी थीं। माहिरा शर्मा ने कहा, ''जब आप किसी आइकॉनिक गाने से जुड़ते हैं तो थोड़ा दबाव जरूर होता है, क्योंकि उन गानों से लोगों की पुरानी यादें जुड़ी होती हैं। मेरी कोशिश रही कि मैं अपनी अलग एनर्जी लेकर आऊं, लेकिन गाने की असली पहचान और एहसास को भी बरकरार रखूं।'' उन्होंने कहा, '''राणाजी 2.0' की म्यूजिक, कोरियोग्राफी और वीडियो का पूरा लुक मिलकर एक नया अनुभव देता है। मुझे उम्मीद है कि जिस तरह पूरी टीम ने इस गाने को बनाते समय आनंद लिया, उसी तरह दर्शक भी इसे देखकर खूब पसंद करेंगे।''

इस गाने की कोरियोग्राफी मशहूर डांस डायरेक्टर रेमो डिसूजा ने की है। उन्होंने कहा, ''समय के साथ डांस का अंदाज काफी बदल गया है और यही बात 'राणाजी 2.0' को खास बनाती है। हमारी कोशिश थी कि गाने के विजुअल्स नए और मनोरंजक हों, लेकिन उसकी पुरानी पहचान भी बनी रहे। हम चाहते थे कि जिन्होंने सालों से इस गाने को पसंद किया है और जो पहली बार इसे सुन रहे हैं, दोनों ही इसे देखने का आनंद लें।'' वहीं, संगीतकार तनिष्क बागची ने कहा, ''किसी क्लासिक गाने को नए रूप में तैयार करना आसान नहीं होता। जब किसी पुराने लोकप्रिय गाने पर काम करते हैं तो सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसकी एहसास को सुरक्षित रखना होता है। इस गाने की धुन और आवाज की अपनी अलग विरासत है। मेरा पूरा ध्यान इसे नया साउंड देने पर था, लेकिन इस तरह कि लोगों को वही पुरानी यादें भी महसूस हों। मैं चाहता था कि यह आज के दौर के हिसाब से भी ताजा लगे और साथ ही लोगों को याद दिलाए कि यह गाना आखिर इतना क्लासिक क्यों बना।'' 'राणाजी 2.0' को टिप्स म्यूजिक ने रिलीज किया है। इस नए वर्जन में इला अरुण और अलका याज्ञनिक की आवाज को बरकरार रखा गया है। यह गाना आधुनिक संगीत और पुराने जादू का मेल बनकर सामने आया है। 'मुझको राणाजी माफ करना' साल 1995 में आई सुपरहिट फिल्म 'करण अर्जुन' का हिस्सा था। इस फिल्म में शाहरुख खान, सलमान खान, राखी, काजोल और ममता कुलकर्णी जैसे कलाकार नजर आए थे। फिल्म की तरह इसके गाने भी जबरदस्त हिट हुए थे। खास तौर पर ममता कुलकर्णी पर फिल्माया गया यह गीत आज भी 90 के दशक के सबसे यादगार गानों में गिना जाता है।

'फूड फेस्टिवल' में हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत के बाद पुलिस को दूसरे संदिग्ध की तलाश

सिएटल/एपी। अमेरिका के सिएटल शहर स्थित ऐतिहासिक 'टावर स्पेस नीडल' के पास रविवार शाम आयोजित एक फूड फेस्टिवल' के दौरान गोलीबारी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और एक बच्चा समेत चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य की तलाश जारी है। जांचकर्ताओं का मानना है कि दोनों संदिग्ध रविवार को एक-दूसरे पर गोली चला रहे थे। हालांकि, एक संदिग्ध अब भी फरार है, लेकिन सिएटल पुलिस के सहायक प्रमुख टाइरोन डेविस ने रविवार रात संवाददाता सम्मेलन में कहा कि फिलहाल आम लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है।

डेविस ने बताया कि पुलिस के पास फरार संदिग्ध के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम अब भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर हुआ क्या था।'' सोमवार सुबह पुलिस ने फोन और ईमेल के जरिए पूछे गए सवालों का तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। अधिकारियों के अनुसार, दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में 19 और 44 वर्षीय दो पुरुष तथा 56 वर्षीय एक महिला शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दो वर्षीय एक बच्चे सहित चार घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है। डेविस ने कहा कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इस घटना में जान गंवाने वाला कोई व्यक्ति गोलीबारी में शामिल था या नहीं।

गोलीबारी रविवार शाम करीब छह बजे तीन दिवसीय वार्षिक 'फूड फेस्टिवल' 'बाइट ऑफ सिएटल' में हुई। इस आयोजन में हर साल खुदरा विक्रेता आदि भाग लेते हैं। डेविस ने बताया कि कार्यक्रम की सुरक्षा में सैकड़ों पुलिसकर्मी तैनात थे और उनमें से कुछ ने एक संदिग्ध को गोली चलाते हुए देखा। उन्होंने बताया कि एक संदिग्ध ने मौके पर ही आत्मसमर्पण कर दिया, जबकि दूसरा फरार हो गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पूरे परिसर में उसकी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस और आपातकालीन सेवा के दल मौके पर पहुंचे और सिएटल सेंटर परिसर तथा आसपास के इलाके को खाली कराया। प्रत्यक्षदर्शी फेथ एडिया हंटर ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ एक विक्रेता से खाना लेकर लौटी ही थीं कि अचानक गोलियां चलने लगीं। उन्होंने बताया कि उन्हें एहसास हुआ कि हमलावर उनके बेहद करीब है, इसके बाद वह और कई अन्य लोग पास स्थित 'सिएटल चिल्ड्रन्स म्यूज़ियम' में जाकर छिप गए। हंटर ने कहा, ''जब गोलीबारी शुरू हुई, वह हमारे (हमलावर) बिल्कुल पास थे, इसलिए हम तुरंत भागने लगे। भीड़ के साथ हम भी दौड़कर इमारत के अंदर चले गए।'' घटना के दौरान अफरा-तफरी मच गई। कई विक्रेता अपने 'फूड स्टॉल' छोड़कर बाहर की ओर भाग गए। कई घंटों बाद भी कुछ विक्रेता पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड के बाहर इस इंतजार में खड़े रहे कि उन्हें अपने टेंट, खाने-पीने की सामग्री और खाना बनाने के उपकरण लेने के लिए कब अंदर जाने दिया जाएगा।

'फूड फेस्टिवल' में स्टॉल लगाने वाले रोबर्टो रामिरेज ने बताया कि ''पहले उन्हें पटाखे जैसी आवाज सुनाई दी। इसके बाद लोगों ने 'शूटर... शूटर' चिल्लाना शुरू कर दिया और हर तरफ भगदड़ मच गई। उन्होंने कहा, अचानक पूरा इलाका खाली हो गया। लोग बेहद घबरा गए थे।'' उन्होंने कहा, अचानक पूरा इलाका खाली हो गया। लोग बेहद डरे हुए थे। रामिरेज ने बताया कि अफरा-तफरी के बाद भी कई लोग घटना से अनजान होकर महोत्सव में पहुंचते रहे, लेकिन पुलिस उन्हें तुरंत वहां से लौटने के लिए कह रही थी। 'बाइट ऑफ सिएटल' वार्षिक फूड फेस्टिवल' की शुरुआत 1982 में हुई थी। आयोजकों की वेबसाइट के अनुसार, इस तीन दिवसीय आयोजन में हर वर्ष लगभग साढ़े तीन लाख लोग आते हैं और भोजन, पेय पदार्थों और सामुदायिक उत्सव का आनंद उठाते हैं।

फिल्म 'द ओडिसी' ऑनलाइन लीक हुई

लास एंजिलिस/भाषा। हॉलीवुड स्टूडियो यूनिवर्सल पिक्चर्स ने निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' के ऑनलाइन लीक होने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अपनी सामग्री और बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा के लिए सभी उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह फिल्म 17 जुलाई को रिलीज हुई थी। मनोरंजन समाचार वेबसाइट हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, फिल्म का लीक संस्करण शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया गया, जिसे 50,000 से अधिक बार देखा गया। बाद में इसे हटाया गया। यूनिवर्सल पिक्चर्स ने एक बयान में कहा, फिल्म के अनधिकृत रूप से साझा किए जाने की जानकारी मिलते ही हमने उसे हटाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी। हम कॉपीराइट उल्लंघन को गंभीरता से लेते हैं और अपनी सामग्री तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा के लिए सभी उचित कानूनी उपाय करेंगे।

उद्घाटन

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में सोमवारको सोनारपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक रूपा गांगुली 'सोनारपुर माँ आहार कैंटीन' का उद्घाटन करती हुईं।

फैशन गर्ल मुग्धा गोडसे का सफर, कभी पेट्रोल पंप पर किया काम, आज करोड़ों की मालकिन

मुंबई/एजेन्सी

फैशन इंडस्ट्री और ग्लैमर की दुनिया जितनी चमकदार नजर आती है, उसके पीछे का सफर उतना ही संघर्षभरा होता है। छोटे शहर से निकलकर रैंप के जरिए देश के सबसे बड़े फैशन प्लेटफॉर्म पर छा जाना और फिर बॉलीवुड की सिल्वर स्क्रीन पर अपनी दमदार अभिनय क्षमता का लोहा मनवाना आसान बात नहीं है। अभिनेत्री मुग्धा गोडसे का सफर इस बात का जीता-जागता उदाहरण है। कहते हैं कि संघर्ष इतनी खामोशी से करो कि कामयाबी शोर मचा दे। अभिनेत्री मुग्धा गोडसे की जिंदगी इस बात की एक बेहतरीन मिसाल है। भले ही, आज के समय अभिनेत्री किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं, लेकिन एक वक्त ऐसी भी था, जब उन्हें करियर की शुरुआत में काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा था। 26 जुलाई 1986 को पुणे में जन्मी मुग्धा गोडसे ने अपनी जिंदगी के शुरुआती वर्षों में गुजारा करने के लिए छोटे-मोटे काम किए। कहा जाता है कि गुजर-बसर के लिए अभिनेत्री ने पेट्रोल पंप पर भी काम किया है। एक दौर ऐसा भी था, जब वह पूरे दिन में सिर्फ 100 रुपए ही कमा पाती थीं, लेकिन अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर आज वह करोड़ों की मालकिन हैं।

अभिनेत्री काम करने के साथ-साथ कई स्थानीय ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भी हिस्सा लिया करती थीं। हालांकि, मुग्धा की जिंदगी तब बदली, जब उन्होंने 'ग्लैडरेग्स मेगा मॉडल हंट' में भाग लेकर सफलता हासिल की थी। इसी साल उन्होंने बेस्ट मॉडल और मिस इंडिया में बेस्ट नेशनल कॉस्ट्यूम का खिताब जीत लिया था और साल 2004 के दौरान मुग्धा फेमिना मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में सेमी-फाइनलिस्ट भी रहीं।

इसके बाद मुग्धा ने मधुर भंडारकर की फिल्म 'फैशन' से अभिनय और हिंदी सिनेमा की दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और कंगना रनौत भी थीं। उनकी पहली ही फिल्म को काफी सराहना मिली और इसके लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू आर्टिस्ट के लिए नामांकन मिला और उन्होंने अप्सरा अवॉर्ड जीता।इसके बाद साल 2009 में वह रोहित शेट्टी की कॉमेडी फिल्म 'ऑल द बेस्ट: फन बिगिंस' और मधुर भंडारकर की ड्रामा फिल्म 'जेल' में नजर आईं थी। अपने करियर के दौरान मुग्धा ने हिंदी के अलावा, अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम किया। उनकी अन्य उल्लेखनीय फिल्मों में 'हेल्प' (2010), 'गली गली चोर है' (2012), 'हीरोइन' (2012), 'साहेब, बीवी और गैंगस्टर रिटर्न्स' (2013) और सत्याग्रह (2013) है। उन्होंने मराठी रियलिटी शो 'मराठी पाडते पुढे' में जज की भूमिका भी निभाई थी। हालांकि, ग्लैमर इंडस्ट्री के साथ-साथ उनका झुकाव अब आध्यात्म और कृष्ण भक्ति की तरफ भी है, जिसे वह अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानती हैं

राहुल बोस - अभिनय से मिली पहचान, रग्बी से मिला सम्मान

नई दिल्ली/एजेन्सी

27 जुलाई 1967 को कलकत्ता (अब कोलकाता) में जन्मे राहुल बोस महज एक कुशल अभिनेता नहीं बल्कि एक पूर्व अंतरराष्ट्रीय रग्बी खिलाड़ी, एक दूरदर्शी फिल्म निर्माता और एक निस्वार्थ समाज सेवक भी हैं। बचपन में अपनी मां द्वारा बॉक्सिंग और रग्बी से परिचित कराए गए राहुल बोस ने कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल और बाद में सिडेनहैम कॉलेज से अपनी शिक्षा पूरी की। इसी दौरान उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मंसूर अली खान पटौदी से क्रिकेट का प्रशिक्षण भी लिया और बॉक्सिंग में रजत पदक जीता। उनका असली जुनून रग्बी बना जिसके लिए उन्होंने 1998 से 2009 तक 11 वर्षों तक भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और अभिनेता के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं था। 1994 से 2009 के बीच अपनी 24 फिल्मों की शूटिंग का समय उन्होंने रग्बी कैलेंडर के हिसाब से तय किया।1998 से 2009 तक राहुल बोस ने भारतीय राष्ट्रीय रग्बी टीम के लिए 11 वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला। 2017 में भारतीय महिला रग्बी टीम ने एशिया सेवेंस चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 15 अगस्त 2021 को ओडिशा सरकार ने भारतीय रग्बी टीम की स्पॉन्सरशिप शुरू की। 18 दिसंबर 2021 को राहुल बोस ने रग्बी इंडिया के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला।

राहुल बोस का अभिनय से पहला परिचय मात्र छह साल की

उम्र में स्कूल के नाटक 'टॉम, द पाइपर्स सन' में हुआ था। मां के निधन के बाद रेडिफ्यूजन में एक कॉपीराइटर के तौर पर काम करने वाले राहुल बोस ने फिल्म इंग्लिश, ऑगस्ट (1994) की भारी सफलता के बाद पूर्णकालिक अभिनेता बनने का फैसला किया। व्यावसायिक सिनेमा की जगह उन्होंने हमेशा समानांतर सिनेमा को चुना।

मिस्टर एंड मिसेज अय्यर, चमेली, झंकार बीट्स और विश्वरूपम जैसी फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय का लोहा मनवाया। एक निर्देशक के तौर पर उनकी पहली निर्देशित फिल्म एवरीबडी सेज आई एम फाइन! (2001) के लिए फंड जुटाने में उन्हें महज 33 दिन लगे। इसके बाद उन्होंने पूर्णा (2017) का निर्देशन किया, जो 13 साल की उम्र में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे कम उम्र की लड़की की बायोपिक थी। इस फिल्म की शूटिंग 1 दिसंबर से 31 जनवरी के बीच की गई थी।

सिनेमा और खेल से परे राहुल बोस एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं।

2004 की भीषण सुनामी के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में राहत कार्यों ने उनके जीवन को एक नया मकसद दिया। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने 'द फाउंडेशन' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य समाज से हर प्रकार के भेदभाव को मिटाना है। फाउंडेशन के 'प्रोजेक्ट रीच' के माध्यम से वे भौगोलिक और राजनीतिक रूप से कटे हुए क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को देश के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उनके 'प्रोजेक्ट हील' ने बाल यौन शोषण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए 35,000 से अधिक शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को प्रशिक्षित किया है।

'आचार्य भिक्षु ने धर्म को अनुशासन और आत्मसाधना का मार्ग बनाया'

भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथी महासभा के तत्वावधान में आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष का समापन समारोह गांधीनगर तेरापंथ भवन में मुनिश्री विनीत कुमारजी, आकाश कुमारजी व साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने सान्निध्य में आयोजित हुआ। मुनि विनीत कुमारजी एवं आकाश कुमार जी ने आचार्य भिक्षु के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया तथा आचार्य भिक्षु के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख करते हुए उनके त्याग, तप, अनुशासन एवं सिद्धांतनिष्ठ जीवन की तुलना भगवान महावीर के आदर्शों से की। मुनि हितेन्द्र कुमारजी एवं पुनीत कुमार जी ने ॐ भिक्षु के 3 लाख जाप करवाए। साध्वी श्री पावनप्रभाजी, आत्मयशाजी, उन्नतयशाजी, रम्यप्रभाजी ने गीतिका का संगान किया।

साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बेंगलूरु के श्रावक-श्राविकाओं द्वारा 3000 तपस्याओं के प्रत्याख्यान का संकल्प लिया गया है, जो धर्म-साधना के प्रति समाज की गहरी आस्था का प्रतीक है।

गांधीनगर सभा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल व अन्य सभा के अध्यक्षों ने अपना स्वागत वक्तव्य दिया। इसमारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गांधीनगर के विधायक दिनेश गुंडूराव एवं अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने जैन शासन, आचार्य भिक्षु तथा सम्पूर्ण संत परम्परा को आज के इस वर्तमान युग में सत्य,अहिंसा की राह बताने वाला प्रमुख स्रोत बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तेरापंथी महासभा के उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा ने की। इस मौके पर तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद्, प्रज्ञा संगीत सुधा के सदस्यों द्वारा आध्यात्मिक प्रस्तुतियों दी गई। संचालन सभा के पूर्व विनोद छाजेड़ ने किया। इस मौके पर विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

प्रवासी मजदूरों के स्वास्थ्य की जांच की, आयुष्मान कार्ड बनवाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय कर्नाटक बिहारी समाज, पब्लिक हेल्थ एक्सेस तथा आरोग्य मित्रा के संयुक्त तत्वावधान में दौड्डनिकुन्दी में प्रवासी मजदूरों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड पंजीकरण शिविर का आयोजन किया। शिविर में बड़ी संख्या में बिहार से आए प्रवासी मजदूरों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड बनवाने के लिए पंजीकरण कराया। चिकित्सकों ने मजदूरों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। पब्लिक हेल्थ एक्सेस की ओर से डॉ निश्चित केआर, डॉ स्वाति ऐतल और डॉ किरण ने चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की तथा आरोग्य मित्रा की सावित्री ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड बनाने में सहयोग किया। डॉ विनय कुमार यादव ने सभी को धन्यवाद दिया।

विजय रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में रोटरी क्लब द्वारा विजय दिवस निकाला गया जो कि शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रोटरी स्कूल पहुँचा, जहां विजय दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय सेना को बधाई दी तथा शहीदों की शाहदत को याद किया। इस रैली में रोटरी मैसूर, रोटरेक्ट मैसूर एवं इनरविल क्लब मैसूर के 140 सदस्यों, भारतीय वायुसेना के पूर्व सैनिकों सहित रोटरी मैसूर के अध्यक्ष वेंकटेश, सचिव समीर कश्यप, कोषाध्यक्ष गौतम सालेचा सहित अन्य अनेक विशिष्ट लोग शामिल थे।

अहिंसा जीवन जीने की सर्वोच्च संस्कृति और मानवीय मूल्यों की आधारशिला : एमएस बिट्टा

जीतो ने किया बिट्टा का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ चैप्टर फाउंडेशन के तत्वावधान में जीतो कार्यालय में 'अहिंसा-वैल्यू बियॉन्ड लाइफ' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के चेयरमैन एमएस बिट्टा ने कहा कि अहिंसा केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन जीने की सर्वोच्च संस्कृति और मानवीय मूल्यों की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में प्रेम, करुणा, सहिष्णुता, एकता और नैतिक मूल्यों को अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए समाज में शांति, सद्भाव और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि जैन संतों का जीवन सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है तथा उनका लोककल्याणकारी संदेश विश्व में शांति स्थापित करने की क्षमता रखता है।

जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने कहा कि जिंदा शहीद एमएस बिट्टा ने जैन धर्म को केवल समझा ही नहीं, बल्कि उसके सिद्धांतों को अपने जीवन में भी आत्मसात किया है।

मुख्य सचिव विजय सिंघवी ने बिट्टा को जीतो द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजक रमेश दक ने कहा कि बिट्टा का जैन धर्म एवं जैन संतों के प्रति समर्पण वास्तव में अनुकरणीय है। जयचंद बाफना, सुमन सिंघवी आदि ने भी विचार व्यक्त किए। अंत में एमएस बिट्टा का सम्मान किया गया।

जीतो साउथ लेडीज़ विंग ने 'जीरावला तीर्थ' की आध्यात्मिक यात्रा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) साउथ द्वारा सेवा वर्टिकल के अंतर्गत 'दिव्यता' नामक कार्यक्रम में शहर के जीरावला तीर्थ की आध्यात्मिक यात्रा की। विंग की साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी सदस्याओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दिव्यता' का मुख्य उद्देश्य सदस्याओं को एक-दूसरे के और करीब लाना, आपसी रिश्तों को मजबूत करना, नए संबंध एवं नेटवर्किंग विकसित करना और साथ ही पवित्र चौमासे की शुरुआत भगवान पार्श्वनाथ के आशीर्वाद से करना है।

साउथ की संयोजिका चंद्रा जैन, सहसंयोजिका अंगिका बाफना ने अपने विचार व्यक्त किए। यात्रा का मुख्य आध्यात्मिक आकर्षण जय जीरावला पार्श्वनाथ मंदिर में आयोजित स्नात्र पूजा रही। प्रभु दर्शन के अलावा विभिन्न रोचक एवं मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया।

विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी का किया शुद्धिकरण कार्य

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के अंतर्गत रविवार को दादावाड़ी में जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा, संगीत मंडल तथा विभिन्न महिला मंडलों के सहयोग से जिनालय का शुद्धिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर जिनालय की स्वच्छता एवं पवित्रता के इस पुण्य कार्य में सहभागिता की। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि जिनालय की स्वच्छता केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि यह हमारी श्रद्धा, संस्कार और जिनशासन के प्रति समर्पण का प्रतीक है। मंडल के अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी सहयोगियों, सेवा एवं संगीत मंडल तथा महिला मंडलों के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्तदान शिविर

बेंगलूरु के मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा द्वारा नारायणा हृदयालय के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन बिदरे अग्रहारा रोड स्थित विद्यागिरी बीडीए फ्लैट्स अपार्टमेंट में किया जिसमें 27 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शाखा की अध्यक्ष खुशबू जैन ने सभी रक्तदाताओं और सहयोगियों को धन्यवाद दिया। जागृति शाखा के संरक्षक रमन जैन ने रक्तदान कर युवाओं का हौसला बढ़ाया।

संकल्प ही आत्मा को परमात्मा बनाता है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी स्थित स्थानक भवन से राष्ट्रसंत कमल मुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि साधना की आत्मरूपी भूमि में संकल्प के बीज का बीजारोपण व्यक्ति आध्यात्मिक क्षेत्र के जब तक नहीं करता है, तब तक आगे नहीं बढ़ सकता है और सफलता प्राप्त नहीं कर सकता है। आत्मा की अनंत शक्ति को जागृत करके संकल्प के माध्यम से आत्मा की शक्ति केंद्रित होती है, उससे ऊर्जा का संचार होता है।

संकल्प ही आत्म साधना की यात्रा के लिए मिल का पत्थर साबित होता है। जितना फौलादी संकल्प होगा

उतनी ही सफलता शीघ्र उसके चरण संकल्प शक्ति ही अमृत के समान है। प्रवचन सभा में बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। संचालन बुधमल बाघमार ने किया ।

साढे बारह लाख रुद्राक्षों से 9 फीट ऊंचे शिवलिंग का निर्माण

श्रावणमास में होंगे अनेक अनुष्ठान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। पंडित राजेंद्र कुमार शर्मा एवं ओमप्रकाश शर्मा के सान्निध्य में मागड़ी रोड के किंतनहल्ली स्थित लक्ष्मी ओरा फार्म हॉउस में सावन के पवित्र मास के अवसर पर विशेष अनुष्ठानों के लिए 12.50 लाख रुद्राक्षों से 9 फीट ऊंचे शिवलिंग का निर्माण किया गया। इस शिवलिंग की विधिवत पूजा 30 जुलाई श्रावण वदी एकम से काशी के विद्वान पंडितों द्वारा प्रारम्भ होगी जो श्रावण के पूरे महीने चलेगी। इस दौरान प्रस्तावित इस मंदिर भूमि में विशेष अनुष्ठान कराए जाएंगे। श्रावण मास में भगवान शंकर की विशेषपूजा के लिए यहां प्रतिदिन भगवान शिव का महा रुद्राभिषेक, जलाभिषेक आदि किया जाएगा। बेंगलूरु में पहली बार इस तरह रुद्राक्षों से शिवलिंग का निर्माण किया गया है।

एआई-171 विमान हादसे की जांच में कोई देरी नहीं : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि पिछले साल हुई एअर इंडिया विमान दुर्घटना की जांच में कोई देरी नहीं हो रही है और किसी बड़े हादसे की पड़ताल के लिए समय-सीमा का अनुमान नहीं लगाया जा सकता क्योंकि यह कई कारकों पर निर्भर करता है। लंदन जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 260 लोगों की मौत हो गई थी। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) इस दुर्घटना की जांच कर रहा है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**